दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-25 Valid up to 31 dec. 2025

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-19 | झुंझुनू (राजस्थान) | मंगलवार, 9 दिसंबर, 2025 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'दुनिया बदलने की शुरुआत हमेशा बाहर से नहीं होती–पहले अपने भीतर रोशनी जलानी पड़ती है। जब भीतर का अंधेरा मिटता है, तभी बाहर का मार्ग साफ दिखाई देता है।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

जिला प्रमुख और प्रधानों को लेकर बड़ा फैसलाः

222 पंचायत समितियों का कार्यकाल होगा खत्म; SDM-जिला कलेक्टर होंगे प्रशासक

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान में पंचायत समिति में प्रधानों और जिला परिषद में जिला प्रमुख का कार्यकाल धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा है। कार्यकाल पूरा होने के बाद यहां प्रशासकों की नियुक्ति हो रही है। पंचायती राज संस्थाएं (ग्राम पंचायत) में कार्यकाल पूरा होने के बाद सरकार ने यहां मौजूदा सरपंच को ही प्रशासक के तौर पर लगा दिया था, लेकिन पंचायत समितियों में ऐसा नहीं है। सरकार ने यहां अब प्रधान की जगह उपखंड अधिकारी (SDM) को प्रशासक के तौर पर लगाने का फैसला किया है। वहीं जिला प्रमुख की जगह जिला कलेक्टर प्रशासक होंगे। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान की तरफ से जारी आदेशों के मुताबिक 11 दिसंबर तक प्रदेश की जितनी भी पंचायत समितियों का कार्यकाल खत्म हो रहा है, वहां संबंधित SDM को प्रशासक के तौर पर नियुक्त किया जाएगा। हालांकि जिले का कौन-सा SDM कहां का प्रशासक होगा, ये जिम्मा जिला कलेक्टर के अधीन छोड़ा गया है।

222 पंचायत समितियों का कार्यकाल होगा खत्म

राज्य में इस महीने करीब 222 पंचायत समितियों का कार्यकाल पूरा होने जा रहा है। ये पंचायत समितियां उदयपुर, टोंक, सीकर, राजसमंद समेत 21 जिलों में है। वहीं पिछले महीने सरकार ने जयपुर, जोधपुर और कोटा नगर निगमों का कार्यकाल पूरा होने के बाद वहां संभागीय आयुक्तों को प्रशासक के तौर पर लगाया था।

सरपंचों की तर्ज पर प्रधान कर रहे थे कार्यकाल बढ़ाने की मांग

सरपंचों की तर्ज पर ही प्रधान कार्यकाल बढ़ाने की मांग कर रहे थे। इसे लेकर प्रधानों ने पंचायतीराज मंत्री से लेकर कई स्तर पर बात की थी। मुख्यमंत्री तक भी मांग पहुंचाई गई। आखिर में सरकार ने प्रधानों की मांग नहीं मानी और पहले अपनाई जाती रही व्यवस्था के अनुसार एसडीएम को प्रशासक लगाने का फैसला किया है।

इन 21 जिला परिषदों में कलेक्टर होंगे प्रशासक

जैसलमेर, उदयपुर, बाड़मेर, अजमेर, पाली, भीलवाड़ा, राजसमंद, नागौर, बांसवाड़ा, बीकानेर, बूंदी, चित्तौड़गढ़, चूरू, डूंगरपुर, हनुमानगढ़, जालोर, झालावाड़, झुंझुनूं, प्रतापगढ़, सीकर, टोंक । प्रदेश की ज्यादातर पंचायतों का कार्यकाल पूरा होने के बाद चुनाव समय पर नहीं हुए। सरकार ने मौजूदा सरपंचों को ही प्रशासक बनाकर कार्यकाल बढ़ा दिया था। सरपंचों और वार्ड पंचों की एक कमेटी बनाकर चुनाव होने तक उसे ही प्रशासक के पावर दे दिए। अब तक ग्राम सचिव प्रशासक लगते रहे हैं। इस बार सरकार ने नया पैटर्न अपनाया।

मेघवाल समाज के गौरवशाली इतिहास, खेड़ी में मेघवाल सभा का आयोजन

समय की पुकार चमार जाति के लोग, मेघवाल शब्द का प्रयोग करें- वेद प्रकाश मेघवाल एसडीओ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । मेघवाल उत्थान समिति हरियाणा के तत्वावधान में अटेली खंड के गांव खेड़ी में मेघवाल सभा का आयोजन किया गया। समिति की बैठक गांव निवासी जेला सिंह की अध्यक्षता में हुई तथा चमार जाति के स्थान पर मेघवाल के रूप में विचार किया गया। इस मौके पर अनिल मेघवाल नावड़ी, रोहताश सूबेदार, शेरसिंह बाबू, कुलदीप सिंह, रवि मेघवाल कन्हैयालाल मेघवाल,कृपया राम मेघवाल को मेघवाल उत्थान समिति की कार्यकारिणी में जिम्मेदारी दी गई। सर्व प्रथम बाबा साहब डा. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। सभा में उपस्थित सभी समाज बंधुओं ने एक स्वर में नारे भी लगाये। समिति के संरक्षक रिटायर्ड एसडीओ वेद प्रकाश मेघवाल व प्रधान सूरजभान मेघवाल बाबा साहब का संघर्ष और उनके विचार ही हमारा एकमात्र मार्ग हैं। उनके दिखाए रास्ते पर चलकर ही मेघवाल समाज सशक्त और सम्मानित बन सकता है। मेघवाल शब्द हमारी अस्मिता और गर्व का प्रतीक है। हर व्यक्ति अपने परिचय में 'मेघवाल' शब्द का गर्व से प्रयोग करे, ताकि हमारी एकजुट पहचान पूरे देश में स्थापित हो। युवाओं और बुजुर्गों से विशेष अपील की कि समाज को नशे की लत से मुक्त करने में हर बुजुर्ग अपनी जिम्मेदारी निभाए। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त युवा ही समाज का भविष्य है। नशे से दूर रहकर ही हम बाबा साहब के सपनों को साकार कर सकते हैं। समय की पुकार है तथा मेघवाल शब्द में सम्मान है इसलिए इस शब्द का प्रयोग में लाये। मेघवाल उत्थान समिति हरियाणा ने घोषणा की कि समाज को शिक्षा, एकता और नशा मुक्ति के संकल्प के साथ आगे बढ़ाने के लिए ऐसे आयोजन प्रदेश भर में जारी रहेंगे। इस मौके पर मेघवाल प्रधान मेघवाल उत्थान समिति हरियाणा सूरजभान, सलाहकार गजराज सिंह ,उपाध्यक्ष देवेंद्र मेघवाल , सलाहकार सरपंच सावंत सिंह, महेंद्र सिंह झज्जरिया जिला प्रधान रेवाड़ी, हीरा सिंह वैध, सूबेदार मेजर बलबीर सिंह, भूप सिंह मेघवाल जिला प्रधान रेवाड़ी, फतेह सिंह मेघवाल, लालचंद फोरमैन प्रभारी जिला रेवाड़ी,उप प्रधान जगदीश चोपड़ा सतीश कुमार नांगल तेजू,मोनिका मेघवाल, संतोष मेघवाल, कमला देवी, सीमा मेघवाल सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहें।

डॉ. अंबेडकर छात्रावास निर्माण हेतु पंवार परिवार का रू1 लाख का सहयोगः पिता की स्मृति में दिया गया दान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । अनुसूचित जाति जनजाति मानव कल्याण संस्थान बीकानेर द्वारा पॉलिटेक्निक कॉलेज के पास निर्माणाधीन डॉ. अंबेडकर छात्रावास के लिए नापासर निवासी स्वर्गीय मंगतूराम पंवार के परिवार ने 1,00,000 (एक लाख रुपये) का महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया है। स्वर्गीय मंगतूराम पंवार का स्वर्गवास 27 नवंबर को हुआ था। उनके परिवारजनों ने अपने पिता की स्मृति में आयोजित डांगड़ी रात की सत्संग में दिनांक 7 दिसंबर को यह राशि छात्रावास निर्माण हेतु समर्पित की। पंवार परिवार ने सहयोग राशि का चेक संस्थान के पदाधिकारियों को सौंपा। इस अवसर पर संस्था सचिव सोहनलाल गोयल, लखीराम बीबान, रामकिशोर मेहरा और मोडाराम कडेंला उपस्थित थे। छात्रावास संचालन समिति ने स्वर्गीय पंवार के परिजनों का हृदय से आभार प्रकट किया। संस्था सचिव सोहनलाल गोयल ने सत्संग में उपस्थित सैकड़ों लोगों से भावनात्मक निवेदन किया। उन्होंने आग्रह किया कि प्रत्येक परिवार अपने समारोहों के उपरांत अपनी इच्छा अनुसार डॉ. अंबेडकर छात्रावास को सहयोग करें, ताकि गरीब छात्रों के लिए उत्तम व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा सकें। पंवार परिवार द्वारा शिक्षा और समाज सेवा के प्रति अपनी गहरी प्रतिबद्धता दर्शाते हुए दिया गया यह सहयोग, अन्य लोगों को भी इस नेक कार्य के लिए प्रेरित करेगा।

नीमराना में ब्लॉक लेवल बैंकर्स कमेटी मीटिंग का आयोजन, बैंकिंग प्रगति की समीक्षा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नीमराना, कृषक प्रशिक्षण केंद्र, नीमराना में सोमवार को BLBC (ब्लॉक लेवल बैंकर्स कमेटी) मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग में नीमराना ब्लॉक के विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधकों ने भाग लिया। मीटिंग में सितंबर तिमाही तक की बैंकिंग प्रगति की समीक्षा अग्रणी जिला प्रबंधक मोहनलाल मीणा, जिला विकास अधिकारी, एवं नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक दीपक जाखड़ द्वारा की गई। इस दौरान बैंकिंग क्षेत्र में हुई प्रगति और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की गई। मीटिंग में नीमराना ब्लॉक के विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधकों ने भाग लिया और अपने-अपने बैंक की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर अग्रणी जिला प्रबंधक मोहनलाल मीणा ने बैंक शाखा प्रबंधकों को बैंकिंग क्षेत्र में और अधिक प्रगति करने के लिए प्रेरित किया।

वोट चोर गद्दी छोड़ महारैली के लिए विधायक चंद्रप्रकाश ने आयोजित की कार्यकर्ताओं की बैठक

14 दिसंबर की वोट चोर गद्दी छोड़ महारैली में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे कार्यकर्ता : विधायक चंद्रप्रकाश

लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत चुनाव प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाना चाहिए : विधायक चंद्रप्रकाश

आदमपुर के विकास कार्यों को जल्द पूरा करवाकर जनता को राहत प्रदान करे सरकार : विधायक चंद्रप्रकाश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.हिसार।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा शुरू किए गए वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान के तहत 14 दिसंबर को दिल्ली में आयोजित होने वाली महारैली के लिए विधायक चंद्रप्रकाश ने आदमपुर के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन किया। इस बैठक में चंद्रप्रकाश ने वोट चोर गद्दी छोड़ महारैली में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया।विधायक चंद्रप्रकाश ने कहा कि भाजपा ने वोट चोरी करके लोकतंत्र का मजाक बनाया है। इस तानाशाही से जनता खफा है और भाजपा को सबक सिखाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि संविधान की रक्षा करने और लोकतंत्र की मर्यादा बनाए रखने के लिए हर कार्यकर्ता को 14 दिसंबर को महारैली में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करवानी होगी। इसके साथ ही अपनी आवाज बुलंद करते हुए भाजपा को उसकी मनमानी का जवाब देना होगा। उन्होंने कहा कि इस महारैली में कार्यकर्ता बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे और अपनी आवाज बुलंद करेंगे। विधायक ने कहा कि चुनाव व्यवस्था में हो रही धांधलियों के खिलाफ समस्त देशवासियों को जागृत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत चुनाव प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाना चाहिए लेकिन भाजपा ने वोट चोरी करके सत्ता हासिल करने का काम किया है। ऐसी स्थिति में भाजपा को सत्ता में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा के शासनकाल में अराजकता का माहौल है। किसान, मजदूर, गरीब, पिछड़ा वर्ग व अन्य वर्ग उपेक्षा का शिकार हो रहे हैं। कार्यकर्ता बैठक के दौरान आदमपुरवासियों ने हलके की समस्याओं को भी विधायक के समक्ष उठाया। हलकावासियों ने सरकार की द्वेषपूर्ण नीतियों पर रोष जताते हुए कहा कि आदमपुर के साथ सरकार उपेक्षापूर्ण रवैया अपना रही है। यहां की जर्जर सड़कों की मरम्मत और नई सड़कों का निर्माण कार्य अधर में लटका है। तय सीमा में कार्य पूरा होने की कोई संभावना नहीं है। लोगों ने कहा कि आदमपुर धूल की नगरी बन गया है। इस कारण बहुत से लोग बीमारियों का शिकार भी हो रहे हैं। यहां की विकट स्थिति देखकर बहुत से लोग इस क्षेत्र से पलायन करने के लिए मजबूर हो रहे हैं। लचर सीवर व्यवस्था, दूषित पेयजल आपूर्ति, पर्याप्त बिजली का अभाव एवं सिंचाई के लिए पानी की कमी से जनता आहत है। विधायक चंद्रप्रकाश ने बताया कि आदमपुर की समस्याओं से कई बार मुख्यमंत्री व संबंधित मंत्रियों एवं विभागों को अवगत करवाया जा चुका है। इसके बावजूद आदमपुर के विकास कार्यों के लिए गंभीरता से कार्य नहीं किया जा रहा। उन्होंने सरकार से मांग की कि सभी निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरे करवाकर जनता को राहत प्रदान करें।

पूर्व सरपंच के परिजनों ने ज्ञान संकल्प पोर्टल में दिया सहयोग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

ग्राम पंचायत टोंक छिलरी के पूर्व सरपंच स्वर्गीय पन्नेसिंह काजला की पांचवीं पुण्यतिथि पर उनके पुत्र नरेंद्र काजला द्वारा ज्ञान संकल्प पोर्टल के माध्यम से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय टोंक छिलरी को विद्यालय विकास के लिए 11 हजार रूपए का सहयोग किया है। संस्था प्रधान संजू नेहरा ने बताया कि पन्नेसिंह काजला हमेशा विद्यालय विकास के लिए प्रयासरत रहते थे। उन्हीं से प्रेरणा लेकर उनके पुत्र नरेंद्र काजला भी लगातार स्कूल के विकास में सहयोग देते है।

नरेंद्र काजला, खुद कनिष्ठ सहायक है जो वर्तमान में देवगांव में पदस्थापित है। उक्त कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा दिवंगत आत्मा की शांति एवं उनके परिजनों की सुख समृद्धि के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई व स्टाफ द्वारा काजला परिवार को साधुवाद ज्ञापित किया गया। इस मौके पर व्याख्याता संदीप कुमार, अर्पणा सैनी, हरिश कुमार, वरिष्ठ अध्यापक ताराचंद डूडी, सतीश कुमार पालीवाल, रामलखन सैनी, अध्यापक जीवनराम, सज्जन कुमार सैनी, रमेशचंद्र शर्मा, ओम देवी, अमन कुमार, कनिष्ठ सहायक अभिषेक, शिक्षा सहायक सुमन शर्मा उपस्थित रहे।

जनसुनवाईः उपमुख्यमंत्री ने कहा- कांग्रेस ने 5 साल में न आम जनता की सुनी ना कार्यकर्ताओं की

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । भाजपा प्रदेश कार्यालय में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को पार्टी कार्यकर्ताओं और आमजन से मुलाकात कर सुनवाई की। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे जाने और जनसमस्याएं सुनीं। दिया कुमारी ने कहा कि कार्यकर्ताओं का समर्पण और जनता का विश्वास सरकार के लिए ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत है, जो निरंतर बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देता है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जनभावनाओं के अनुरूप नीतियों को मजबूत करना, जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करना और प्रदेश को प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनसुनवाई में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पांच साल के शासन में न तो आम जनता की सुनवाई हुई और न ही कार्यकर्ताओं की बात सुनी गई। जनता परेशान रही।

अब भाजपा सरकार में हर समस्या का त्वरित निस्तारण हो रहा है। उन्होंने कहा कि कई बार ऐसी समस्या भी सुनवाई में आती है, जिसे पूरा नहीं किया जा सकता, लेकिन उसकी समस्या को सुनकर शिकायतकर्ता को संतुष्ट किया जाता है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री झाबर सिंह खर्रा, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, उपाध्यक्ष ज्योति मिर्धा व सरिता गेना भी जनसुनवाई में बैठे। खर्रा ने बताया कि करीब 150 शिकायतें व समस्याएं आईं, जिनमें से आधी का मौके पर निपटारा कर दिया गया। बाकी के लिए अधिकारियों को निर्देश दे दिए गए हैं।

जूली ने कहा- भाजपा की 'सुनवाई' सियासी पाखंड

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भाजपा के कार्यकर्ता सुनवाई कार्यक्रम को एक सियासी पाखंड करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम भाजपा के जमीनी कार्यकर्ताओं में बढ़ रहे आक्रोश और असंतोष पर लीपापोती करने का एक असफल प्रयास मात्र है। जूली ने सरकार से सवाल किया कि पिछली बार शुरू किए गए जनसुनवाई कार्यक्रम को अचानक बिना किसी कारण के बंद क्यों कर दिया गया था? जूली ने कहा कि जिलों से लगातार यह फीडबैक मिल रहा है कि भाजपा कार्यकर्ता अपनी ही सरकार में उपेक्षित महसूस कर रहे हैं और उनकी सुनवाई कहीं नहीं हो रही। इस असंतोष की गूंज अब मुख्यमंत्री निवास तक पहुंच चुकी है। हाल ही में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के दौरे के समय भी कार्यकर्ताओं ने खुले तौर पर अपनी पीड़ा व्यक्त की थी।

पुतिन की यात्रा से भारत रूस सम्बंधों में नया अध्याय शुरू

मनोज कुमार अग्रवाल

आपको बता दें कि दिल्ली के हैदराबाद हाउस में हुई वार्ता दूरगामी प्रभावों वाली भी साबित है। यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत-रूस संबंधों में यह क्षण डील ऑफ द डिकेड के रूप में दर्ज हो सकता है। रोजगार, व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा, कनेक्टिविटी और भविष्य की तकनीकों जैसे क्षेत्रों में जिस पैमाने पर समझौते हुए हैं, वह बताते हैं कि दोनों देश संबंधों को एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुके हैं। यह मोड़ केवल कूटनीति का नहीं, बल्कि आर्थिक, तकनीकी, ऊर्जा, नौकरी, हेल्थकेयर और वैश्विक राजनीति के हर पहलू का है।

भारत और रूस के संबंध केवल दो देशों के बीच एक लंबा आपसी भरोसा सिर्फ कूटनीतिक संबंध नहीं हैं, बल्कि यह सात दशकों से चले आ रहे परस्पर विश्वास सहयोग और रणनीतिक साझेदारी की विरासत है। अनेक अंतरराष्ट्रीय उतार-चढ़ावों के बीच भी यह दोस्ती अपनी स्थिरता और परंपरा के लिए पहचाना जाता रहा है। आजादी के बाद भारत के सामने जब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चुनौतियां आई, रूस सबसे आगे खड़ा दिखाई दिया। यही कारण है कि भारत-रूस संबंधों को एक राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दो दिवसीय भारत यात्रा से दोनों देशों की प्रमाणित दोस्ती बतौर देखा जा रहा है। दोनों देशों के बीच हुए समझौते और पुतिन और भारत यात्रा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई व्यापक चचाओं ने इस साझेदारी को एक नया आयाम दिया है।

आपको बता दें कि दिल्ली के हैदराबाद हाउस में हुई वार्ता दूरगामी प्रभावों वाली भी साबित है। यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत-रूस संबंधों में यह क्षण डील ऑफ द डिकेड के रूप में दर्ज हो सकता है। रोजगार, व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा, कनेक्टिविटी और भविष्य की तकनीकों जैसे क्षेत्रों में जिस पैमाने पर समझौते हुए हैं, वह बताते हैं कि दोनों देश संबंधों को एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुके हैं। यह मोड़ केवल कूटनीति का नहीं, बल्कि आर्थिक, तकनीकी, ऊर्जा, नौकरी, हेल्थकेयर और वैश्विक राजनीति के हर पहलू का है। विशेष रूप से ऐसे समय में जब विश्व व्यवस्था तीव्र गति से बदल रही है, पि म और रूस के बीच टकराव गहराया हुआ है, चीन का प्रभाव बढ़ रहा है और ग्लोबल साउथ नई भूमिका तलाश रहा है, भारत और रूस का यह नया अध्याय एशिया से यूरेशिया तक की भू-राजनीतिक धुरी को पुनर्परिभाषित करने की क्षमता रखता है। सबसे बड़ा संदेश इस यात्रा से यह निकल कर आया है कि भारत और रूस दोनों ही अब पारंपरिक मित्रता को आधुनिक वैश्विक जरूरतों के अनुरूप पुनर्स्थापित करना चाहते हैं। उदाहरण के लिए, 30 दिन का फ्री वीजा और माइग्रेशन मोबिलिटी समझौता भविष्य में दोनों देशों के बीच मानव संसाधन के आदान-प्रदान को बेहद सरल बनाएगा।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ हुए समझौते में भारत सरकार ने 30 दिनों का फ्री ई-वीजा जारी करने की सुविधा देने की घोषणा की है। इससे भारत आने वाले रूसी पर्यटकों के लिए बेहद आसानी हो जाएगी। पर्यटन मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक करीब 79.7 फीसदी रूसी पर्यटक मनोरंजन, छु यां बिताने, स्मारक देखने के लिए भारत आते हैं। करीब 11.2 फीसदी रूसी पर्यटक ही व्यापार के लिए आते हैं लेकिन वह भी ताजमहल समेत अन्य स्मारक देखने पहुंचते हैं।

आपको पता रहे रूस के पास संसाधनों की कोई कमी नहीं, लेकिन उसे कुशल कामगारों की जरूरत है। दूसरी तरफ भारत युवा शक्ति वाला देश है, जहां लाखों युवाओं के सामने नए रोजगार के अवसरों की खोज सर्वोपरि है। इस समझौते से भारत के युवाओं के लिए रूस में रोजगार के व्यापक अवसर खुलेंगे, वहीं रूस को योग्य प्रशिक्षित मानव संसाधन मिलेगा। यह सहयोग केवल आर्थिक लाभ का नहीं, बल्कि दीर्घकालिक मानवीय और सांस्कृतिक जुड़ाव का भी आधार बनेगा। भारत-रूस आर्थिक कार्यक्रम 2030 ने दोनों देशों की महत्वाकांक्षा को और स्पष्ट किया है। 100 बिलियन डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य साधारण नहीं है। वर्तमान परिस्थितियों में जब रूस पि मी प्रतिबंधों के कारण नए बाजार की तलाश में है, भारत उसकी आर्थिक संतुलन का विश्वसनीय भागीदार बनकर उभर रहा है। वहीं भारत के लिए रूस ऊर्जा, खनिज, दवाइयों, रक्षा और तकनीक का एक स्थाई स्रोत है। यह आर्थिक विस्तार दोनों देशों के लिए समान रूप से लाभकारी है। साथ ही यह भी उल्लेखनीय है कि इस बार सबसे अधिक फोकस हेल्थकेयर, शिक्षा, विज्ञान और तकनीक पर किया गया । यह संकेत है कि संबंध अब केवल रक्षा सौदों या बड़े औद्योगिक समझौतों पर निर्भर नहीं रहेंगे, बल्कि लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों और विकास की दिशा में आगे बढ़ेंगे। स्वास्थ्य साझेदारी में रूस की उच्चस्तरीय मेडिकल तकनीक और भारत की सस्ती जेनरिक दवाइयां, दोनों देशों को स्वास्थ्य सुरक्षा का नया मॉडल दे सकती हैं। मेडिकल रिसर्च और शिक्षा में सहयोग से युवाओं के लिए नए अवसर भी बनेंगे। समुद्री व्यापार पर हुए समझौते भी भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था को देखते हुए बेहद महत्वपूर्ण हैं। आर्कटिक रूट और पोलर वाटर्स के माध्यम से नए शिपिंग कॉरिडोर विकसित करने पर भारत-रूस की सहमति अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्गों में भारत की भूमिका बढ़ाएगी। इससे भारत का समुद्री व्यापार तेज, लागत, प्रभावी और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सक्षम होगा। रूस के लिए यह आय का स्थाई स्रोत तथा एशियाई बाजारों तक पहुंच का नया रास्ता बनेगा। हालांकि, इस यात्रा के दौरान किसी बड़े रक्षा समझौते की घोषणा नहीं की गई। यह स्वयं में एक संकेत है कि भारत अब रक्षा के पुराने ढांचे से निकलकर तकनीक और उत्पादन के नए विकल्प तलाश रहा है। भारत निजी क्षेत्र को रक्षा और अंतरिक्ष जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में प्रवेश दे चुका है, और अब मोदी सरकार सिविल न्यूक्लियर सेक्टर को भी निजी निवेश के लिए खोल रही है। यह कदम केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि एक वैचारिक परिवर्तन है जो भारत को विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेज गति से आगे बढ़ाएगा। पुतिन ने भी यह स्पष्ट कर दिया कि उनकी यात्रा केवल तेल और गैस के सौदों तक सीमित नहीं है। वे भारत के साथ साझेदारी को व्यापक, संतुलित और दीर्घकालिक बनाना चाहते हैं। यही सोच भारत-रूस रिश्ते को अन्य वैश्विक मित्रताओं से अलग बनाती है, जहां संबंध किसी एक एक क्षेत्र पर असंतुलित निर्भरता के बजाय बहुआयामी सहयोग पर आधारित हों। इसमें कोई दोमत नहीं है कि भारत मंडपम में प्रधानमंत्री मोदी और पुतिन की उपस्थिति में आयोजित इंडो-रूस विजनेस फोरम ने न केवल द्विपक्षीय आर्थिक संभावनाओं को नई दिशा दी, बल्कि बदलती वैश्विक राजनीति के बीच दोनों देशों की साझेदारी की गहराती मजबूती का भी स्पष्ट संदेश दिया। इस मंच से प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन की टिप्पणियों ने भारत-रूस संबंधों की वर्तमान गति, भविष्य की दिशा और वैश्विक संदर्भ में इन रिश्तों की अहमियत को कई स्तरों पर रेखांकित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में रूस को सबसे भरोसेमंद दोस्त बताते हुए कहा कि वैश्विक चुनौतियों का सामना केवल अस्थायी उपायों से नहीं किया जा सकता; इसके लिए दीर्घकालिक और टिकाऊ समाधान आवश्यक हैं। यह विचार आज की दुनिया में अत्यंत प्रासंगिक है, जहां भू-राजनीतिक तनाव, ऊर्जा संकट, महामारी, आर्थिक अस्थिरता और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएं एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई हैं। भारत और रूस, दोनों ही देश अपने-अपने तरीके से इन चुनौतियों से जूझ रहे हैं। इस संदर्भ में साझेदारी न केवल द्विपक्षीय हितों को आगे बढ़ाती है, बल्कि वैश्विक विमर्श में भी एक संतुलित आवाज का निर्माण करती है। राष्ट्रपति पुतिन ने भारत की आर्थिक प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि भारत स्वतंत्र नीति अपना रहा है और किसी दबाव में नहीं झुकता। यह टिप्पणी आज के परिवर्तित भू-राजनीतिक वातावरण में महत्वपूर्ण है। पि मी देशों के दवाव के बावजूद भारत ने रूस के साथ ऊर्जा, रक्षा और व्यापार संबंधों में स्वतंत्र निर्णय क्षमता दिखाई है। पुतिन का यह बयान भारत की वै कि स्थिति को और मजबूती देता है। इसके साथ ही उन्होंने व्यापार वृद्धि के आंकड़े भी दिए कि पिछले तीन वर्षों में 80 प्रति की रिकॉर्ड की रिकॉर्ड वृद्धि और 64 अरब डॉलर का व्यापार। यह तथ्य भारत-रूस संबंधों में व्यावहारिकता और आर्थिक पूरकता की मजबूती का प्रमाण है। कुल मिलाकर देखा जाए तो पुतिन की यह यात्रा केवल कागजी समझौतों की सूची नहीं, बल्कि बदलती दुनिया में एक स्थायी और विश्वसनीय साझेदारी की पुनर्युष्टि है। भारत और रूस दोनों जानते हैं कि भविष्य की विश्व व्यवस्था बहुध्रुवीय होगी, और ऐसी व्यवस्था में मजबूत, भरोसेमंद और दीर्घकालिक साझेदारियों सबसे बड़ा सामरिक पूंजी होंगी। यह यात्रा उसी दिशा में एक निर्णायक कदम है।

उधर इस यात्रा से अमेरिका में बेचैनी है। पूर्व पेंटागन अधिकारी माइकल रुबिन ने दावा किया कि भारत-रूस नजदीकियों का श्रेय पुतिन नहीं, बल्कि ट्रंप को जाता है. उन्होंने कहा कि मोदी की पुतिन के प्रति मेजबानी, अमेरिका की गलत नीतियों और भारत की रणनीतिक जरूरतों का परिणाम है. रुबिन ने कहा कि अमेरिका को भारत को ले र देना बंद करना चाहिए। पाकिस्तान और चीन के माथे पर भी लकीरें खिंच गयी है। पुतिन का यह दौरा भारत और रूस के संबंधों की नयी सीड़ी बना है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

मन का रंग और जीवन का प्रकाश : भीतर की शांति ही बाहर की दुनिया को सुंदर बनाती है

मनुष्य का जीवन बाहर से जितना सरल दिखाई देता है, भीतर से उतना ही जटिल और अदृश्य संघर्षों से भरा होता है। दुनिया की भीड़ में चलते-फिरते लोग हमें सामान्य, सहज और व्यवस्थित दिखते हैं, लेकिन उनके मनों में चल रहे तूफान, बेचैनियाँ और संवेदनाएँ किसी को नहीं दिखतीं। मनुष्य का मन एक अदृश्य कैनवस है–जिस पर हर दिन अनगिनत रंग चढ़ते रहते हैं। ये रंग हमारे विचारों, भावनाओं और अनुभवों से बनते हैं। चाहे हम स्वीकारें या नहीं, अंततः मन उसी रंग का रूप ले लेता है, जिसके संपर्क में वह सबसे अधिक रहता है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

यदि प्रेम का रंग मन को छू ले, तो वह कोमल, दयामय और संवेदनशील बन जाता है। लेकिन यदि क्रोध का रंग मन को घेर ले, तो वही मन उग्र, बेचैन और अस्थिर हो उठता है। सवाल यह नहीं कि दुनिया कैसी है–सवाल यह है हमारा मन दुनिया की किन घटनाओं को किस रंग से रंग रहा है।

मन–हमारी दुनिया को रंगने वाली अदृश्य कूची है। सुबह का एक विचार, किसी का एक व्यवहार, किसी घटना की एक छोटी-सी व्याख्या... इतना ही काफी है मन को नए रंग से रंगने के लिए।लेकिन समस्या तब शुरू होती है जब मन नकारात्मकता की मोटी परतों से ढक जाता है कभी ईर्ष्या की,कभी क्रोध की, कभी पीड़ा की,कभी तुलना की। इन परतों के नीचे हमारा असली स्वभाव–निर्मल, शांत और आनंदमय–धीरे-धीरे दब जाता है। मन का असली स्वरूप स्थिर झील की तरह शांत होता है, लेकिन जब उस पर भावनाओं के तूफान उठते हैं, तो वह मथने लगता है।और यही अशांत मन हमारी सबसे बड़ी परीक्षा लेता है। स्वस्थ मन बनाम अस्वस्थ मन : एक अदृश्य संघर्ष होता है। कभी आपने ध्यान दिया है? थोड़ी-सी आलोचना भी अस्वस्थ मन को घायल कर देती है, जबकि स्वस्थ मन उसी आलोचना में सुधार का अवसर खोज लेता है।अस्वस्थ मन दूसरों की खुशियों से चिढ़ता है, स्वस्थ मन उनसे प्रेरणा लेता है। अस्वस्थ मन छोटी घटना को बड़ा बना देता है, स्वस्थ मन बड़ी घटना को भी गरिमा से संभाल लेता है। मन के भीतर यह अंतर कोई संयोग नहीं–यह उस रंग का परिणाम है जिसे हम रोज़ अपने भीतर भर रहे हैं।क्रोध के रंग से रंगा मन एक तलवार की तरह चलता है, जबकि करुणा के रंग से रंगा मन एक दीपक की तरह जगमगाता है।

अशांत मन : जीवन के हर पहलू को निगलता हुआ विष होता है।एक अशांत मन केवल अपने मालिक को ही नहीं तंग करता–

वह परिवार को भी थका देता है, रिश्तों को तोड़ देता है, चिंताओं को बढ़ा देता है, और जीवन को अनावश्यक बोझ में बदल देता है। यह मानसिक विष भीतर से शुरू होता है लेकिन पूरे जीवन में फैल जाता है– व्यवहार बिगड़ता है, आराम छिन जाता है, नींद टूट जाती है,निर्णय गलत होने लगते हैं,और व्यक्ति धीरे-धीरे अपने ही विचारों का कैदी बन जाता है। कहने को हम बाहर दोष खोजते हैं–परिवार, परिस्थितियाँ, लोग, समय, समाज...लेकिन सच्चाई यह है कि मन की बेचैनी का वास्तविक कारखाना भीतर ही सक्रिय होता है।

आनंद का रहस्य : उसे बाहर मत खोजिए, वह भीतर बैठा है आज की दुनिया में हर व्यक्ति आनंद की तलाश में है–कोई सफलता में, कोई वस्तुओं में, कोई प्रशंसा में,कोई मान-सम्?मान में। लेकिन आनंद बाहर से नहीं आता।अगर ऐसा होता, तो सम्पन्न लोग सबसे अधिक शांत होते और साधारण लोग सबसे अधिक बेचैन।वास्तविक अनुभव ठीक उल्टा है। आनंद एक भीतरी परिस्थिति है। जिसने मन को साध लिया, उसने आनंद को पा लिया। जिसने मन को खो दिया, उसका आनंद बाहर खोजते-खोजते जीवन बीत जाता है। अपने भीतर झाँकना–मन की शांति का पहला कदम है जीवन में पहली और सबसे महत्वपूर्ण साधना है–स्वयं को देखना।

बिना निर्णय के, बिना आलोचना के, बिना डर के– बस अपने विचारों की दिशा को समझना। अपने मन से पूछना–मैं किस रंग से रंग रहा हूँ अपने भीतर की दीवारों को?क्या ये रंग मेरे जीवन को हल्का बनाते हैं या और भारी?क्या ये विचार मुझे ऊपर उठाते हैं या गिरा देते हैं? क्या यह भावना मेरे मन को विस्तृत करती है या सीमित?

यह साधना रातोंरात नहीं होती। लेकिन जैसे-जैसे व्यक्ति अपने भीतर देखने लगता है, मन का तूफान धीरे-धीरे शांत होने लगता है। और जिस दिन मन शांत हो गया– उस दिन जीवन अपने आप सुंदर हो जाता है।

भ्रस्टाचार : लोकतंत्र की नींव को खोखला करती दीमक

दिलीप कुमार पाठक

अगर किसी देश को भ्रष्टाचार मुक्त होना है तो समाज के तीन प्रमुख सदस्य माता, पिता और शिक्षक मिलकर काम कर सकते हैं - अबुल कलाम आजाद...

भ्रष्टाचार का मतलब है कि कोई व्यक्ति अपनी शक्ति या पद का इस्तेमाल खुद के फायदे के लिए करता है। इससे लोगों का सरकार और संस्थानों पर भरोसा कम हो जाता है। लोकतंत्र कमजोर पड़ता है, आर्थिक विकास धीमा हो जाता है, और गरीबी, असमानता, सामाजिक झगड़े और पर्यावरण की समस्याएँ बढ़ती हैं। भ्रष्टाचार किसी भी देश या समुदाय पर वही असर डालता है जो लकड़ी में घुन डालता है शनै?शनै वह देश को खोखला कर देता है। आम शब्दों में कहे तो जायज या नाजायज काम कराने के लिए दिया जाने वाला अनुचित लाभ ही भ्रष्टाचार कहलाता है ' हर साल 9 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस मनाया जाता है ' यह दिवस 31 अक्टूबर 2003 को भ्रष्टाचार के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के पारित होने के बाद से मनाया जाता है ' इसका उदेश्य लोगों को जगाना एवं जागरूक करना है, इसलिए आइए आज इसका अध्ययन करते हैं '

धनी देशों के कई लोग शायद यह मानते हैं कि भ्रष्टाचार उन्हें व्यक्तिगत रूप से प्रभावित नहीं करता, और सोचते हैं कि यह केवल विकासशील देशों की समस्या है। हालाँकि, भ्रष्टाचार इतना घातक है कि यह वैश्विक वित्तीय प्रणाली के सभी हिस्सों में अपनी पैठ बना रहा है और अर्थव्यवस्था, राजनीति और सामाजिक ताने-बाने को विकृत कर रहा है। हर साल लगभग 1 लाख करोड़ डॉलर रिश्वत के रूप में दिया जाता है, जबकि लगभग 2.6 लाख करोड़डॉलर भ्रष्टाचार के कारण चोरी हो जाते हैं। यह कुल राशि पूरी दुनिया के कुल आर्थिक उत्पादन के 5 प्रतिशत से भी अधिक है। विकासशील देशों में भ्रष्टाचार से हुए नुकसान का अनुमान, उन देशों को मिलने वाली आधिकारिक सहायता की राशि से 10 गुना अधिक है। बहुत बड़ी रकम रिश्वत में जाती है, और उससे भी बड़ी रकम भ्रष्टाचार के कारण खो जाती है जो दुनिया की कुल आय का एक बड़ा हिस्सा है, और गरीब देशों को मिलने वाली मदद से कई गुना अधिक नुकसान पहुँचाती है।

विश्व आर्थिक मंच का कहना है कि हर साल भ्रष्टाचार की वजह से दुनिया की अर्थव्यवस्था को लगभग 3.6 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान होता है। अगर इस पैसे का थोड़ा-सा हिस्सा भी सही जगह इस्तेमाल किया जाए तो गरीबी हटाने, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और अन्य जरूरी सुविधाएँ बहुत बेहतर हो सकती हैं। हम सब एक ही धरती पर रहते हैं, इसलिए जब कुछ लोगों को जरूरत की चीजें नहीं मिलतीं, तो इसका असर हम सभी पर पड़ता है। ब्राजील के किसान खाने के लिए अमेजन के जंगल काट रहे हैं, जिससे जलवायु परिवर्तन तेज हो रहा है। संसाधनों की कमी के कारण युद्ध शुरू हो रहे हैं, जिससे बहुत सारे लोग शरणार्थी बन रहे हैं। असमानता और अन्याय की वजह से आतंकवादी गतिविधियाँ भी बढ़ रही हैं। भ्रष्टाचार से बहुत सारा पैसा बर्बाद हो रहा है, जबकि वही पैसा गरीबी, बीमारी, शिक्षा और पर्यावरण जैसी बड़ी समस्याओं को हल कर सकता है। जब हम इन समस्याओं को नजरअंदाज करते हैं, तो पूरे दुनिया पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अधिक धन से नकारात्मक परिणाम ज़्यादा निकलते हैं, जब बहुत सारा पैसा राजनैतिक नेताओं और अधिकारियों को खरीद लेता है, तो उस क्षेत्र की सत्ता का ढाँचा बदल जाता है। गठबंधन और प्रभाव बदलने के साथ-साथ भू-राजनीतिक कारण भी काम करते हैं। निवेश योजनाएँ, कंपनियों का काम-काज और पैसे का प्रवाह सब पर असर पड़ता है, और इसका सीधा नुकसान उन लोगों को होता है जो सीधे भ्रष्टाचार में शामिल नहीं होते। जब भ्रष्ट धन को सफेद किया जाता है, तो बड़े शहरों में अचल संपत्ति की कीमतें बढ़ जाती हैं। साथ ही, भ्रष्ट अभिजात्य वर्ग लोकतंत्र को प्रभावित करने की कोशिश करता है, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर पड़ती है। सरल शब्दों में अगर कहा जाए तो बहुत अधिक पैसा सत्ता को खरीद लेता है, आर्थिक गतिविधियों को बिगाड़ता है, आम लोगों की ज़िन्दगी में कठिनाई बढ़ती जाती हैं '

इस साल संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम और संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय मिलकर एक वैश्विक अभियान चला रहे हैं, 'भ्रष्टाचार के खिलाफ एकजुट' अगर हम साथ मिलें तो कई चीजें बेहतर हो सकती हैं। लोकतंत्र को मजबूत बनाना, ताकि लोगों की आवाज सुनाई दे। न्याय को बढ़ावा देना, ताकि हर किसी को उसका हक मिले। शिक्षा का समर्थन करना, ताकि सभी को सीखने का मौका मिले। समृद्धि लाना, ताकि लोगों के पास काम और पैसे हों। विकास की सुरक्षा करना, ताकि प्रोजेक्ट्स बिना बाधा के चलें। जन स्वास्थ्य में सुधार करना, ताकि सभी को बेहतर इलाज मिल सके। इन छोटे-छोटे कदमों से दुनिया भर में भ्रष्टाचार को कम किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट का त्वरित सुनवाई से इनकार

सनत जैन

भारत में इंडिगो द्वारा पिछले एक सप्ताह में हजारों फ्लाइट कैंसिल कर दी गई। दिल्ली, श्रीनगर, हैदराबाद, बेंगलुरु, अहमदाबाद सहित अन्य एयरपोर्ट में अभी तक हजारों फ्लाइट कैंसिल हो चुकी हैं। एक दिन पहले ही इंडगो एयरलाइन ने 650 से ज्यादा उड़ाने रद्द कर दी थीं। देश के सभी एयरपोर्ट में मारामारी मची हुई है। देसी और विदेशी यात्री एयरपोर्ट पर परेशान हो रहे हैं। उनका सामान उन्हें वापस नहीं मिल रहा है। फ्लाइट कैंसिल होने की सूचना उन्हें समय पर नहीं दी गई। जो यात्री विमानतल के अंदर थे, उनकी सुख-सुविधा का ध्यान भी नियमानुसार इंडिगो ने नहीं रखा। यात्रियों में महिलाएं और बच्चे बुरी तरह से परेशान होते रहे। बच्चों को पीने के लिए दूध नहीं मिला। महिलाओं को सैनिटरी पेड नहीं मिले। 24 घंटे से ज्यादा हवाई यात्री विमानतलों पर कैद रहे। उनको सुनने वाला कोई नहीं था। उन्हें विमानतल पर खाना नहीं मिला। इससे बड़ी अव्यवस्था क्या हो सकती थी। इंडिगो एयरलाइंस अपनी जिम्मेदारी से लगातार भागती रही। अन्य एयरलाइन कंपनियों ने इसका भरपूर फायदा उठाया। 40,000 से लेकर 100000 रुपए तक में टिकट बेची गई। सरकार चुपचाप तमाशा देखती रही। यात्री परेशान होते रहे। पिछले एक सप्ताह से भारत के विमानतलों पर जिस तरह से यात्री परेशान हो रहे हैं, उनका आर्थिक शोषण किया जा रहा है, उन्हें शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना दी जा रही है। इसके बाद भी सरकार और सुप्रीम कोर्ट जिस तरह से विमानन कंपनी इंडिगो के सामने आत्मसमर्पण करते हुए दिख रहे हैं, उसको लेकर यात्रियों में भारी गुस्सा है। हर कोई अपनी जवाबदारी से बच रहा है। हवाई जहाज के यात्रियों को उनके भाग्य भरोसे छोड़ दिया गया है। सरकार ने चार दिन बाद इंडगो एयरलाइन कंपनी से कहा, वह यात्रियों के टिकट के पैसे रविवार की शाम तक वापस कर दे। सरकार ने कारण बताओ नोटिस देकर इति श्री कर ली। हजारों की संख्या में यात्रियों की फ्लाइट कैंसिल हुई थी। कई को विदेश जाने की फ्लाइट नहीं मिली। हवाई यात्रियों को तरह-तरह की परेशानियां अभी भी हो रही हैं। देसी और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर इसका असर पड़ा है। डीजीसीए के अधिकारी हाथ पर हाथ धरे बैठे हुए हैं। उड्डयन मंत्रालय भी इंडिगो एयरलाइंस के सामने बेबस नजर आ रहा है। जिस तरह की स्थिति भारत में बनी है, उसको लेकर सारी दुनिया के देशों में भारत ओर एयरलाइन कंपनियों की सेवाओं को लेकर तरह-तरह की चर्चा होने लगी है। सारे विश्व में भारत की छवि धूमिल हो गई है। भारत में नियम-कानून और कानून व्यवस्था को लेकर किस तरह की स्थिति है इसे सारी दुनिया के देशों ने जान लिया है। 50000 से ज्यादा देसी और विदेशी यात्री पिछले एक सप्ताह से परेशान होकर यहां से वहां भटक रहे हैं। इतने गंभीर मामले को भी सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल सुनने से मना कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने इस मामले को यह कहते हुए सुनने से मना कर दिया है, भारत सरकार पहले ही एक्शन ले चुकी है। इस मामले की सुनवाई वह 10 दिसंबर को करेंगे। सरकार ने क्या एक्शन लिया है यह भी सुप्रीम कोर्ट ने जानने की जहमत नहीं उठाई। मुख्य न्यायाधीश की यह टिप्पणी, वह एयरलाइन नहीं चला सकते हैं। इससे भारत के लोगों को बड़ी निराशा हुई है। नागरिकों का मानना था, कि सुप्रीम कोर्ट स्वयं संज्ञान लेकर इस मामले की सुनवाई करता। यात्रियों को फौरी तौर पर राहत देने के लिए कोई आदेश करता। वह तो सुप्रीम कोर्ट ने किया नहीं। जब यात्रियों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका लगाई गई। इंडिगो की फ्लाइट कैंसिल होने के कारण जिन यात्रियों को परेशानी हो रही है। उन्हें तत्काल राहत देने के निर्देश केंद्र सरकार और विमानन कंपनी को दिए जाएं। नियमों का पालन एयरलाइन कंपनी से कराया जाए। यात्रियों से जिस तरह का मनमाना किराया वसूल किया जा रहा है, उस पर तत्काल रोक लगाई जाए। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने याचिका की तत्काल प्रारंभिक सुनवाई करने से ही इनकार कर दिया। इस कारण यात्रियों को कहीं से भी कोई राहत मिलती हुई दिख नहीं रही है। यात्रियों को तत्काल राहत की आवश्यकता थी। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार और कंपनियों के भरोसे हजारों यात्रियों को उन्हीं के भरोसे छोड़ दिया, जो उन्हें तकलीफ दे रहे हैं। पिछले एक सप्ताह से यात्री परेशान हैं। उनके साथ छोटे बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं भी हैं। जो बुरी तरह से परेशान हैं। सरकार और विमानन कंपनियां गंभीरता के साथ यात्रियों की परेशानी का निराकरण कर रही होती। यात्रियों को राहत पहुंचाने का कोई प्रयास कर रही होती। तो यात्रियों को सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में याचिका लगाने की जरूरत नहीं होती। जिस तरह से न्यायपालिका ने मामले को सुनने से इनकार किया है। इसके बाद यह धारणा बनने लगी है। न्यायपालिका ऐसे किसी भी मामले की सुनवाई नहीं करना चाहती है। जिससे सरकार को कोई परेशानी हो। सुप्रीम कोर्ट जैसी सर्वोच्च संस्था यदि नागरिकों को सरकार और कार्यपालिका के भरोसे छोड़ देगी तो ऐसी स्थिति में न्यायपालिका की साख और न्यायपालिका के ऊपर आम नागरिकों का जो विश्वास होता है वह विश्वास भविष्य में देखने को नहीं मिलेगा। देश में अराजकता की स्थिति बनेगी। कार्यपालिका और विधायिका जिस तरह से अपनी जवाबदेही से बच रही है, न्याय पालिका मे भी जब नागरिकों के अधिकारों की रक्षा नहीं होगी, ऐसी स्थिति में न्याय पालिका की भूमिका भी कोई मायने नहीं रखेगी। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा सकता है। आगे चलकर कानून व्यवस्था की स्थिति भी प्रभावित हो सकती है। लोग अपने तरीके से न्याय पाने की कोशिश करेंगे। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट को इस तरह के मामले में स्वयं संज्ञान लेकर कार्रवाई करने की आशा की जाती है। हवाई यात्री भारी भरकम किराया देकर यहां से वहाँ यात्रा करते हैं। उनके समय की कीमत होती है। हजारों की संख्या में बूढ़े, बच्चे और महिलाएं यहां से वहां कई दिनों से मारे-मारे फिर रहे हैं। सरकार और विमानन कंपनियां अपने कर्तव्यों का पालन नहीं कर रही हैं। न्यायपालिका भी हजारों यात्रियों को उनके ही भरोसे छोड़कर, पल्ला झाड़ लेगी, तो इस स्थिति में भविष्य में क्या हो सकता है। इसका सहज अंदाजा लगाया जा सकता है।

सामाजिक कुप्रथा के खिलाफ चुनवाल परिवार ने कायम की मिसाल, मृत्यु भोज नहीं कर 3 लाख रुपए से अधिक का संस्थाओं को किया आर्थिक सहयोग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

सामाजिक कुरीतियों को दूर करने व कुप्रथाओं के खिलाफ समाज में मिसाल कायम करते हुए सीकर समर्थपुरा हाउस के चुनवाल परिवार ने अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है। परिवार ने मृत्यु भोज नहीं करने की अपनी परम्परा को जारी रखते हुए विभिन्न संस्थाओं को तीन लाख रुपए से अधिक का आर्थिक सहयोग प्रदान किया है। यह जानकारी देते हुए सैनी समाज संस्था सीकर के अध्यक्ष राजकुमार दैया व महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षण संस्थान के सचिव डॉ ओपी सैनी ने बताया कि चुनवाल परिवार ने सामाजिक कुरीतियों को खत्म कर समाज में अद्वितीय व अतुलनीय उदाहरण प्रस्तुत किया।

उन्होंने बताया कि मोहनलाल समर्थपुरा के निधन पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत,पूर्व प्रदेश मंत्री अशोक भादरा सहित अनेक संस्थाओं ने शोक संदेश भेज कर अपनी जताई संवेदना। उन्होंने बताया शहर के सुप्रसिद्ध समर्थपुरा हाउस के चुनवाल परिवार के सदस्यों ने सामाजिक कुरीतियों को खत्म करने के लिए सैनी समाज में एक सराहनीय कार्य करते हुए मृत्यु भोज नहीं कर समाज के समक्ष एक अद्वितीय व अतुलनीय उदाहरण प्रस्तुत किया । समर्थपुरा परिवार ने मदनलाल समर्थपुरा एवं उनकी धर्मपत्नी के निधन पर भी अनेक संस्थाओं को आर्थिक सहयोग किया था ।सीकर नगर परिषद के इतिहास में पहली बार भाजपा सभापति परिवार के मुखिया वरिष्ठ भाजपा नेता स्वर्गीय श्री मदन लाल जी चुनवाल समर्थपुरा के भाई श्री मोहनलाल जी के निधन पर उनके पुत्र अशोक सैनी ने मृत्यु भोज नहीं कर पिता की मृत्यु के बाद सोमवार को आयोजित पगड़ी रस्म अदायगी के दौरान करीब 3.25 लाख रुपए का अनेक संस्थाओं को आर्थिक सहयोग किया। उन्होंने बताया कि चुनवाल परिवार ने सैनी समाज संस्था लोसल में अढ़ाई लाख रुपए की लागत से कमरे का निर्माण हेतु आर्थिक सहयोग दिया जबकि 22 हजार रुपए महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षण संस्थान सीकर को 11 हजार रुपए करणी गोशाला, सीकर को, 11 हजार रुपए रेवासा गौशाला सीकर को ,11 हजार रुपए शिव गो- चिकित्सालय पीपली नगर सीकर को, 11 हजार रुपए नला का बालाजी के मंदिर को प्रदान किए। पगड़ी रस्म अदायगी के अवसर पर सैनी समाज के सैकड़ो गणमान्य लोग उपस्थित थे।

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने चिड़ावा में किया कंबल वितरण, जरूरतमंदों को बांटे गए ऊनी कंबल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट, चिड़ावा के तत्वावधान में कच्ची बस्ती, रेलवे स्टेशन के पास जरूरतमंद लोगों के लिए रविवार को कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सर्दी के मौसम में गरीब और असहाय लोगों को राहत पहुँचाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एम आर एस प्रनामी स्कूल, चिड़ावा के निदेशक अनिल दाधीच और उपखंड कार्यालय, चिड़ावा के अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी कैलाश सिंह कविया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जिला प्रभारी राधेश्याम शर्मा सुखाड़िया ने अतिथियों का ट्रस्ट का दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के तहसील प्रभारी रजनीकांत मिश्रा ने ट्रस्ट द्वारा पिछले छह वर्षों से किए जा रहे सेवा कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट के पदाधिकारी और सदस्य दीपावली, रक्षाबंधन और होली जैसे बड़े त्योहार इन बस्तियों के लोगों के बीच आकर धूमधाम से मनाते हैं। इसके उपरांत, ट्रस्ट के सदस्यों ने बस्ती के लोगों के साथ मिलकर ट्रस्ट का

गीत भी गाया।राधेश्याम शर्मा सुखाड़िया ने अतिथियों के हाथों बस्ती के लोगों को कंबल वितरित करवाईं। उन्होंने यह भी बताया कि ट्रस्ट ने हाल ही में 3 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर भी लगभग पैंतीस (35) कंबलों का वितरण किया था। मुख्य अतिथि कैलाश सिंह कविया और अनिल दाधीच ने ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे इस नेक कार्य की हृदय से सराहना की और कहा कि समाज सेवा के ऐसे कार्य करना सभी के बस की बात नहीं होती। इस अवसर पर ट्रस्ट के कई पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे, जिन्होंने इस सेवा अभियान को सफल बनाने में सहयोग किया।

प्रदेशभर में डॉक्टरों की दो दिन की हड़ताल, मेडिकल सेवाएं प्रभावित फतेहाबाद में भी मरीज रहें परेशान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चंडीगढ़/फतेहाबाद।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । प्रदेश में डायरेक्ट एसएमओ भर्ती सहित विभिन्न मांगें पूरी न होने के विरोध में सरकारी डॉक्टर्स ने अपनी दो दिवसीय हड़ताल शुरू कर दी। डॉक्टर अपनी मांगों को लेकर कल यानि मंगलवार को भी हड़ताल पर रहेंगे। वहीं डॉक्टरों की हड़ताल का असर सरकारी अस्पतालों में देखने को मिला। सुबह 9 बजे ओपीडी शुरू होने के बावजूद कई डॉक्टर अपने कैबिन में मौजूद नहीं थे, जिससे मरीज लंबी लाइन में खड़े रहें। पंचकूला सिविल अस्पताल में यह हालात दिखाई दिए। हालांकि मुलाना मेडिकल कॉलेज से आए दो डॉक्टरों की मदद से मेडिसिन ओपीडी चलाई गई। सोनीपत अस्पताल और बहादुरगढ़ में भी डॉक्टरों के कैबिन खाली होने से मरीजों को परेशानी हुई। फतेहाबाद में भी चिकित्सकों की हड़ताल के कारण मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। अस्पताल पहुंचे

मरीजों ने बताया कि वे दवाई या जांच करवाने आए थे, लेकिन अस्पताल में जांच नहीं हो रही, जिससे वे परेशान हैं। स्थिति को संभालने के लिए प्रशासन ने अग्रोहा मेडिकल कॉलेज से 10 डॉक्टर बुलाए थे। इनके सहारे ओपीडी और इमरजेंसी सेवाएं किसी तरह चलती रहीं । स्ट्राइक पर गए डॉक्टरों ने ऑपरेशन और पोस्टमॉर्टम करने
से भी मना कर दिया, जिसके चलते पोस्टमॉर्टम करवाने के लिए शवों को अग्रोहा मेडिकल कॉलेज भेजने की व्यवस्था करनी पड़ी। वहीं कल यानि मंगलवार को अस्पताल में आंखों के ऑपरेशन होने है, ऐसे में ऑपरेशन प्रभावित हो सकता है। राज्यभर के डॉक्टर वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (एसएमओ) की सीधी भर्ती रोकने और केंद्र सरकार की तर्ज पर 4 एश्योर्ड करियर प्रोमोशन देने की मांग पर अड़े हैं। एसोसिएशन के नेताओं का कहना है कि स्वास्थ्य मंत्री, मुख्य सचिव और स्वास्थ्य सचिव के साथ बैठकों में एसएमओ की सीधी भर्ती रोकने पर सहमति बन चुकी है, लेकिन एसीपी पर मामला अटका हुआ है एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने समय रहते उनकी मांगें नहीं मानीं, तो वे 10 दिसंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। फतेहाबाद के कार्यकारी सीएमओ डॉ. बुधराम ने कहा कि अग्रोहा से आए डॉक्टरों की मदद से इमरजेंसी और ओपीडी सेवाएं सामान्य रूप से चल रही हैं। पोस्टमॉर्टम के लिए भी डॉक्टर उपलब्ध हैं और आवश्यकता होने पर अग्रोहा से पोस्टमॉर्टम करवाया जा रहा है।

कांग्रेस नेता भागीरथ गोदारा के निधन पर देहात अध्यक्ष विशनाराम सियाग ने जताया शोक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

शेरेरा ग्राम पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि एवं बीकानेर कांग्रेस देहात के महासचिव भागीरथ गोदारा के असामयिक निधन पर बीकानेर कांग्रेस देहात में शोक की लहर दौड़ गई है। बीकानेर देहात कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विशनाराम सियाग ने उनके निधन पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है। सियाग ने गोदारा को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि भागीरथ गोदारा एक जुझारू और जमीनी नेता थे। उनका निधन बीकानेर देहात कांग्रेस के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने हमेशा पार्टी

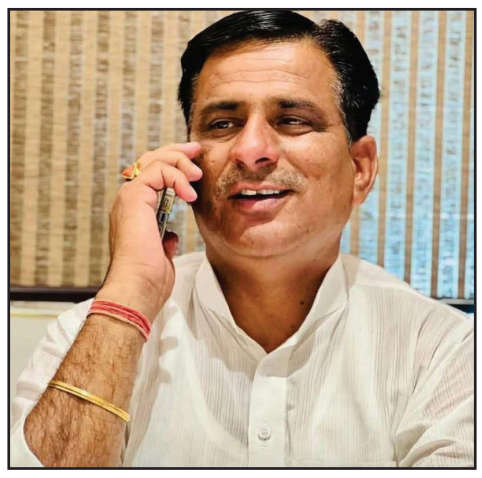

की मजबूती और सामाजिक सद्भाव के लिए कार्य किया।विशनाराम सियाग ने कहा कि गोदारा का सरल, मिलनसार और आत्मीय स्वभाव हमेशा याद किया जाएगा। उनका जाना समाज और राजनीतिक जगत के लिए एक बड़ा नुकसान है। देहात अध्यक्ष सियाग ने ईश्वर से प्रार्थना की कि वे दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके शोकाकुल परिजनों तथा समर्थकों को इस असहनीय दु:ख को सहने की शक्ति दें।

बज्जू खालसा में नवीन ग्राम पंचायत कार्यालय भवन का भव्य लोकार्पण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । ग्राम पंचायत बज्जू खालसा के नवीन और आधुनिक कार्यालय भवन का लोकार्पण समारोह सोमवार को आयोजित किया गया। महिला प्रधान श्रीमती पप्पू देवी ने फीता काटकर विधिविधान से इस भवन का उद्घाटन किया। यह ऐतिहासिक

अवसर क्षेत्र की प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रधान पप्पू देवी के आगमन पर क्षेत्रवासियों और कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। सैकड़ों की संख्या में मौजूद लोगों के बीच, प्रधान ने नवीन कार्यालय भवन का उद्घाटन किया। यह भवन अब बज्जू खालसा क्षेत्र की आम जनता को बेहतर और सुलभ सेवाएं प्रदान करने में सहायक होगा। इस लोकार्पण समारोह में क्षेत्र के कई प्रमुख जनप्रतिनिधि और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इनमें उप जिला प्रमुख प्रतिनिधि हुक्माराम जी बिश्नोई, सभी पंचायत समिति सदस्यगण, आस-पास की ग्राम पंचायतों के सभी सरपंचगण और क्षेत्र के अन्य जनप्रतिनिधि तथा देवतुल्य नागरिक शामिल थे। यह नवीन कार्यालय भवन बज्जू खालसा क्षेत्र की प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने और आम जनता को बेहतर सेवाएं प्रदान करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

मेहंदीपुर बालाजी में हेलीकॉप्टर सेवा शुरू–आस्था, पर्यटन और जिला अर्थव्यवस्था को मिला नया पंख

ऑनलाइन टिकट से दिल्ली-जयपुर-पिनान से हो सकेंगे बालाजी के सीधे दर्शन।

हेलीपैड पर श्रद्धालुओं का पुष्पवर्षा के साथ स्वागत, पंच गौरव स्थलों को भी जोड़ा गया हवाई मार्ग से।

भीम प्रज्ञा न्यूज़.दौसा।

मनोज खंडेलवाल । मेहंदीपुर बालाजी–विश्वभर में आस्था का केंद्र माने जाने वाले सिद्धपीठ मेहंदीपुर बालाजी धाम में सोमवार को श्रद्धालुओं के लिए हेलीकॉप्टर सेवा का शुभारंभ हुआ, जिसने जिले में धार्मिक पर्यटन की नई दिशा तय कर दी। सुबह करीब 11 बजे मीन भगवान मंदिर के पास बने नए हेलीपैड पर जब पहला हेलीकॉप्टर श्रद्धालुओं को लेकर उतरा तो देखने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी। उतरने वाले श्रद्धालुओं का स्वागत स्कूली बालिकाओं और जनप्रतिनिधियों ने पारंपरिक माला पहनाकर और तिलक लगाकर किया, जिससे पूरा वातावरण उत्साह और भक्ति से भर गया।हेलीकॉप्टर सेवा के लोकार्पण मौके पर जिले के सिकराय विधायक विक्रम बंसीवाल, महवा विधायक राजेंद्र मीना, बांदीकुई विधायक भागचंद टांकड़ा, लालसोट विधायक रामविलास मीना, जिला कलेक्टर देवेंद्र

कुमार तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। सभी जनप्रतिनिधियों ने इस पहल को धार्मिक पर्यटन और दौसा जिले की अर्थव्यवस्था में सुधार की दिशा में बड़ा कदम बताते हुए सराहना की।नई सेवा के तहत श्रद्धालु अब दिल्ली, जयपुर और पिनान से ऑनलाइन टिकट बुक कराकर सीधे मेहंदीपुर बालाजी के लिए हेलीकॉप्टर में बैठ सकेंगे। इससे हजारों भक्तों की यात्रा का समय कम होगा और आने वाले दिनों में जिले में रोजगार और व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आने की संभावना जताई जा रही है।

धार्मिक महत्व को और मजबूत करते हुए इस हवाई सेवा को जिले के पंच गौरव–आभानेरी की ऐतिहासिक चांदबावड़ी, झाझीरामपुरा और पपलाज माता मंदिर तक भी जोड़ा गया है, जिससे जिले की धार्मिक-सांस्कृतिक पहचान को व्यापक पहचान मिलने लगी है। उद्घाटन के बाद जिले के चारों भाजपा विधायकों ने हेलीकॉप्टर से बालाजी महाराज के मंदिर के ऊपर विशेष पुष्पवर्षा कर कार्यक्रम को आध्यात्मिक रंग दिया। उधर निजी कंपनी द्वारा सेवा शुरू किए जाने से आमजन और श्रद्धालु दोनों में नया रोमांच देखने को मिला, जबकि सुरक्षा और व्यवस्थाओं को देखते हुए पुलिस व प्रशासनिक अमला पूरे समय मौके पर मुस्तैद रहा। नई हेलीकॉप्टर सेवा ने मेहंदीपुर बालाजी में आस्था, पर्यटन और विकास की उड़ान को सचमुच नए पंख दिए है।

पूर्व कैबिनेट मंत्री गोविंदराम मेघवाल ने बाबा साहेब को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

भीम प्रज्ञा न्यूज़.जयपुर।

भारत रत्न, संविधान निर्माता और सामाजिक न्याय के प्रणेता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस (6 दिसंबर) के अवसर पर, पूर्व कैबिनेट मंत्री गोविंदराम मेघवाल ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के तहत पूर्व कैबिनेट मंत्री गोविंदराम मेघवाल जयपुर के डॉ. अंबेडकर सर्किल पहुँचे। उन्होंने बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी। पूर्व कैबिनेट मंत्री गोविंदराम मेघवाल ने इस अवसर पर कहा कि समाज में समानता, न्याय और भाईचारे के लिए बाबा साहेब का संघर्ष और उनके विचार सदैव हमें प्रेरणा देते रहेंगे। मैं उन्हें कोटि-कोटि नमन करता हूँ। बाबा साहेब अमर रहें। इस अवसर पर जयपुर के कई कार्यकर्ता और बाबा साहेब के अनुयायी साथीगण भी पूर्व मंत्री के साथ उपस्थित रहे और उन्होंने सामूहिक रूप से बाबा साहेब के अतुलनीय योगदान को याद किया।

चिड़ावा में 22वीं श्री जगन्नाथ रथ यात्रा की तैयारियां जोरों पर

शहर के मुख्य बाजार में पीले चावल देकर दिया गया सामूहिक निमंत्रण,11 दिसंबर को निकलेगी यात्रा

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

चिड़ावा शहर में आस्था और भक्ति का माहौल चरम पर है। आगामी 11 दिसंबर को निकलने वाली 22वीं श्री जगन्नाथ रथ यात्रा की तैयारियां जोरों पर हैं। इसी क्रम में, भक्तों और सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं ने शहर के मुख्य बाजार में घर-घर और दुकान-दुकान जाकर लोगों को यात्रा में सम्मिलित होने का निमंत्रण दिया। प्रेम केडिया के आतिथ्य में श्री हरि नाम प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। यह प्रभात फेरी शहर के आराध्य देव परमहंस बावलियां बाबा के दरबार से शुरू हुई और मुख्य बाजार–टेकड़ा, कल्याण प्रभु मंदिर से गांधी चौक, पुरानी तहसील रोड़ होते हुए कबूतर खाना बस स्टैंड तक पहुँची। कार्यकर्ताओं ने व्यापारियों और राहगीरों को पीले चावल और पम्पलेट वितरित कर 11 दिसंबर को आयोजित होने वाली श्री जगन्नाथ जी की रथ यात्रा में सपरिवार सम्मिलित होने का आग्रह किया। इस दौरान, ऋषिकेश से आए हुए महाराज ने ढोल नगाड़ों पर कीर्तन के साथ नाचते-

गाते हुए निमंत्रण दिया, जिससे पूरे बाजार में भक्तिमय वातावरण छा गया। चिड़ावा के सभी सनातनी संगठन और गणमान्य जन अत्यंत उत्साह के साथ तैयारियों में जुटे हुए हैं। यह रथ यात्रा खीमसिका परिवार द्वारा 22 साल पहले शुरू की गई थी, और यह परंपरा चिड़ावा में लगातार 22वीं बार आयोजित की जा रही है, जो शहर की धार्मिक एकता और आस्था का प्रतीक है।इस अवसर पर झंडी प्रसाद हिम्मतरामका, मनोहर लाल जांगिड़, महेश शर्मा आजाद, सांवरमल पारीक, रामचंद्र शर्मा, सुरेश मालानी, पूर्व चेयरमैन शंकर लाल वर्मा, विपुल गुप्ता, अमित सूरजगडिया, संदीप हिम्मतारामका, निवास वर्मा, सत्यनारायण चौधरी, सांवरमल उदयपुरिया, ललित भगेरिया, प्रवीण वर्मा, मोहनलाल अग्रवाल, राकेश सराफ, राकेश बंजारावाला, नवीस चौधरी, आनन्द सहित काफी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहें।

पंजाब नेशनल बैंक कृषक प्रशिक्षण केंद्र में 14 दिवसीय सॉफ्ट टॉयज प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (RSETI) अलवर द्वारा संचालित 14 दिवसीय सॉफ्ट टॉयज बनाने का प्रशिक्षण कार्यक्रम आज कृषक प्रशिक्षण केंद्र, नीमराना में प्रारंभ किया गया। इस प्रशिक्षण में बेलनी गाँव की 35 महिलाओं का बैच शामिल हुआ है, जिन्हें स्वरोजगार उन्मुख कौशल प्रदान करने हेतु सॉफ्ट टॉय निर्माण का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस कार्यक्रम के अंतर्गत सभी प्रशिक्षणार्थियों को निशुल्क प्रशिक्षण, साथ ही नि:शुल्क चाय-नाश्ता एवं भोजन की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। शुभारंभ समारोह में अग्रणी जिला प्रबंधक मोहनलाल मीणा, जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड दीपक जाखड़, कृषक प्रशिक्षण केंद्र के निदेशक रंजीत कुमार यादव, एवं स्वयंसेवी अलवर के निदेशक जे.पी. मीणा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वयन जयप्रकाश सिंघल द्वारा किया गया, जिन्होंने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर कृषि विशेषज्ञ हरिकृष्ण, प्रभात, मनजीत सिंह आदि गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने राजस्थान संपर्क हैल्पलाइन 181 का किया औचक निरीक्षण

मुख्यमंत्री ने स्वयं फोन पर सुनी लोगों की समस्याएं,

हाथोंहाथ समाधान से फरियादियों के चेहरे पर खिली मुस्कान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.जयपुर।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए कितने संवेदनशील हैं, इसकी एक बानगी सोमवार को देखने को मिली। सचिवालय का दौरा कर रहे मुख्यमंत्री जब पुस्तकालय भवन में राजस्थान संपर्क हैल्पलाइन 181 पहुंचे तब दो कॉलर्स नवलगढ़ (झुन्झुनूं) के सुधीर और कोटपूतली-बहरोड़ के नेमीचंद से बात कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने स्वयं दोनों फरियादियों से बात की और थोड़ी ही देर में उनकी समस्याओं का समाधान कर दिया गया। समस्याओं के हाथोंहाथ समाधान के बाद के फरियादियों के चेहरे की खुशी देखते ही बन रही थी। शर्मा जब राजस्थान संपर्क 181 पर समस्याएं सुन रहे थे तो एक कॉल पर नवलगढ़ (झुंझुनूं) के सुधीर ने बताया कि उनके घर के पास साव की ढाणी पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत सड़क निर्माण का कार्य हो रहा है। सड़क निर्माण में एक पोल बीच में आ रहा है जिससे आवाजाही में लोगों को समस्या हो रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री से उस पोल को हटाने के लिए निवेदन किया।

181 पर आ रही समस्याओं की बढ़ाई जाए मॉनिटरिंग - मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने उनकी समस्या के समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। इन निर्देशों की पालना करते हुए संबंधित कलक्टर ने पोल हटवाकर परिवादी को राहत दी।

मुख्यमंत्री को एक अन्य शिकायतकर्ता नेमीचंद निवासी गोकलपुर गांव, वार्ड नंबर 29 (कोटपूतली-बहरोड़) ने फोन पर बताया कि गोकलपुर गांव में वार्ड नंबर 29 में नाले की सफाई नहीं होने के कारण गंदा पानी निकलकर सड़क पर भरा हुआ है। जिससे आवागमन में लोगों को समस्या आ रही है तथा बीमारी का खतरा भी बना हुआ है। उन्होंने इस नाले की जल्द से जल्द सफाई कराने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इस परिवेदना का तुरंत निस्तारण करने के निर्देश दिए। संबंधित कलक्टर द्वारा शीघ्र ही परिवेदना को निस्तारित करते हुए नाले की सफाई करवाई गई। राजस्थान संपर्क हैल्पलाइन 181 में मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने राजस्थान संपर्क हैल्पलाइन की कार्यप्रणाली, परिवादी की शिकायत पंजीकरण की प्रणाली, फॉलो-अप की पूरी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जनसेवा को सर्वोपरि मानते हुए हमारी सरकार कार्य कर रही है। 181 हैल्पलाइन के माध्यम से आमजन घर बैठे अपनी समस्या दर्ज करवाकर उसका शीघ्र समाधान प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार लोगों को पूरी संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेहिता के साथ उनकी हर परिवेदना के समयबद्ध निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध है। शर्मा ने कहा कि संपर्क पोर्टल पर आ रही समस्याओं की अधिक से अधिक मॉनिटरिंग हो जिससे परिवादी की समस्या का समयबद्ध निस्तारण हो सके तथा उसे राहत मिले। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पूरे प्रणाली को समझने एवं उसे और बेहतर बनाने के लिए स्वयं ही शिकायतकर्ताओं का कॉल अटैण्ड किया तथा उनकी समस्याओं का समाधान किया।

लॉयर्स एसोसिएशन चुनाव में पर्यावरण संरक्षण की अनूठी पहल:

प्रत्याशियों ने ली ग्रीन इलेक्शन की शपथ; कोई नाम वापसी नहीं, 26 प्रत्याशी मैदान में

भीम प्रज्ञा न्यूज

जोधपुर । राजस्थान हाईकोर्ट लॉयर्स एसोसिएशन (RHCLA) जोधपुर ने अपने द्विवार्षिक चुनाव 2025-27 में एक अनूठी और सराहनीय पहल करते हुए सभी प्रत्याशियों से पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई है। रिटर्निंग ऑफिसर मोती सिंह राजपुरोहित ने सोमवार 8 दिसंबर को अंतिम नामांकन सूची जारी करने के साथ ही सभी 26 प्रत्याशियों से ग्रीन इलेक्शन की प्रतिज्ञा करवाई। यह पहल बार एसोसिएशन के चुनावों में संभवतः अपनी तरह की पहली है, जहां प्रत्याशियों ने औपचारिक रूप से पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता का संकल्प लिया है।?

प्लास्टिक और पेपर मुक्त चुनाव का संकल्प

इस अनूठी शपथ के तहत सभी प्रत्याशियों ने अपने चुनाव अभियान को सिंगल यूज प्लास्टिक से पूर्णतया मुक्त रखने का संकल्प लिया है। इसमें प्लास्टिक की प्लेट, गिलास और पानी की बोतलों का उपयोग न करने का वादा शामिल है। साथ ही प्रत्याशियों ने चुनाव प्रचार में पेपर मैटेरियल का उपयोग न करने की प्रतिज्ञा भी की है। यह पहल कागज की बर्बादी को रोकने और पेड़ों को बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।?सभी उम्मीदवारों ने राजस्थान हाईकोर्ट परिसर को स्वच्छ रखने में पूर्ण सहयोग और पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देने का वादा किया है। इसके अलावा, प्रत्याशियों ने चुनाव की संपूर्ण प्रक्रिया में सभी के साथ सद्भाव एवं मित्रवत व्यवहार रखने का भी वचन दिया है। यह संकल्प स्वच्छ भारत अभियान की भावना के अनुरूप है और न केवल हाईकोर्ट परिसर को स्वच्छ रखेगा बल्कि समाज में भी एक सकारात्मक संदेश देगा।?

सभी 26 उम्मीदवार चुनावी मैदान में बरकरार हैं।?

अध्यक्ष पद के लिए 4 प्रत्याशी: दिग्विजय सिंह जसोल, दिलीप सिंह उदावत, मनीष कुमार व्यास और विनोद चौधरी।
उपाध्यक्ष पद के लिए 2 प्रत्याशी: रविन्द्र सिंह चंपावत और शीतल कुम्भट।
महासचिव पद के लिए 3 प्रत्याशी: अरूण कुमार, कैलाश जांगिड़ और नवनीत सिंह बिर्खा।
सहसचिव पद के लिए: अशोक कुमार गोदारा, केशव भाटी और मिलाप चौपड़ा।
कोषाध्यक्ष पद के लिए: दुर्गेश खत्री, रघुवीर सिंह भाटी और रविन्द्र कुमार पुरोहित
पुस्तकालय सचिव पद के लिए: कोमल आर. वर्मा, शैलेन्द्र कुमार और विकास के. बिश्नोई
कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए: आकांक्षा चौधरी, अनुपम गोपाल व्यास, अक्षया शुक्ला, दिग्विजय टाक, कृष्ण कांत व्यास, मनीषा फोफलिया, मनोज कुमार, नंदीपना गहलोत, प्रियंका बोराणा और विरम सिंह कुल 10 प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे।?

मतदान और चुनाव व्यवस्था

11 दिसंबर गुरुवार को सुबह 9:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक मतदान होगा। मतदान के तुरंत बाद शाम 5:30 बजे से मतगणना शुरू की जाएगी और परिणाम घोषित किए जाएंगे। एसोसिएशन ने हाईकोर्ट परिसर में किसी भी प्रकार के पोस्टर, बैनर या प्रचार सामग्री पर सख्त प्रतिबंध लगाया है। मतदान केंद्र से 100 मीटर की परिधि में किसी भी प्रत्याशी या उनके समर्थकों द्वारा चुनाव प्रचार प्रतिबंधित रहेगा।? यह चुनाव राजस्थान हाईकोर्ट लॉयर्स एसोसिएशन के संविधान 2007 के तहत निर्धारित मानदंडों और राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा पारित आदेश के अनुसार आयोजित किया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण की यह अनूठी पहल न केवल एसोसिएशन के चुनाव को स्वच्छ और हरित बनाएगी बल्कि अन्य संगठनों और राजनीतिक दलों के लिए भी एक उदाहरण प्रस्तुत करेगी।?

कोई नाम वापस नहीं, अंतिम नामांकन सूची जारी

नामांकन वापसी की अवधि समाप्त होने तक किसी भी प्रत्याशी ने अपना नाम वापस नहीं लिया।

पानी भराव की समस्या को लेकर अधिशासी अधिकारी को दिया ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज

सुमेर मीणा उदयपुरवाटी। चुंगी नंबर तीन के निकट झुंझुनू रोड पर पानी भरने से आम जन परेशान हो रहे हैं। दुकानदारो व मोहल्ले वासियों ने अधिशासी अधिकारी उदयपुरवाटी को ज्ञापन देकर अवगत करवाया है कि की चुंगी नंबर 3 के निकट झुंझुनू रोड पर पानी भरने की वजह से आमजन को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। और टू व्हीलर साधनो की दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। उन्होंने लिखा है कि शीघ्र पानी निकासी का समाधान नहीं होगा तो नगर पालिका के बाहर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस दौरान कैलाश कुमार, रवि प्रकाश, पवन, सुरेश कुमार,बीरबल,सचिन सेन, रामनिवास, दयाराम, अनिल, अशोक,मनीष सैनी, मनोहर सैनी, ताराचंद, सीताराम सहित आदि थे।

कपड़ा बाजार में सक्रिय हुई 'साड़ी चोर' गैंग, चिड़ावा पुलिस ने 6 महिलाओं को पकड़ा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

चिड़ावा के कपड़ा बाजार में चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रही महिलाओं के एक शातिर गिरोह पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए छह महिलाओं को हिरासत में लिया है। यह गैंग ग्राहकों के रूप में दुकान में घुसकर महंगी साड़ियां चुराता था। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार दोपहर खेतड़ी रोड स्थित दिलखुश होटल के सामने बनी 'राजपूती परिधान' नामक दुकान पर 5 से 6 महिलाएं ग्राहक बनकर पहुंचीं। ये महिलाएं लगभग आधे घंटे तक दुकानदार को अलग-अलग साड़ियों की मांग और बातचीत में उलझाती रहीं। इसी दौरान, उन्होंने मौका पाकर कई महंगी साड़ियों को अन्य कपड़ों के बीच छिपाया और चुपचाप दुकान से निकल गईं। दुकानदार को कुछ देर बाद शक हुआ, जिसके बाद उन्होंने तुरंत सीसीटीवी फुटेज चेक किए। फुटेज में पूरा घटनाक्रम स्पष्ट रूप से दिखाई दिया, जिसमें महिलाएं एक-दूसरे को इशारे कर चोरी की वारदात को अंजाम दे रही थीं। चोरी की पुष्टि होते ही, दुकानदार ने तत्काल बाजार में महिलाओं की तलाश शुरू की। ये संदिग्ध महिलाएं शहर के मुख्य बाजार क्षेत्र में घूमती हुई मिलीं। दुकानदार ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी महिलाओं को हिरासत में लिया और उन्हें पूछताछ के लिए थाने ले जाया गया। पुलिस

सूत्रों के अनुसार, यह महिलाएं हरियाणा क्षेत्र की बताई जा रही हैं। फिलहाल, पुलिस हिरासत में ली गई महिलाओं से गहन पूछताछ कर रही है और चोरी की गई सभी साड़ियों की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं। इस घटना ने स्थानीय कपड़ा व्यापारियों के बीच चिंता बढ़ा दी है।

महवा ब्लॉक के योग प्रशिक्षकों की बड़ी पहल– कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा को सौंपा ज्ञापन

दस दिन की सेवाओं को पूरे माह करने और मानदेय बढ़ाने की उठी मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.महवा।

मनोज खंडेलवाल । ब्लॉक के योग प्रशिक्षकों ने आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में अपनी सेवाओं को लेकर लंबे समय से चली आ रही मांगों को मजबूती देते हुए रविवार को कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा को ज्ञापन सौंपा। प्रशिक्षकों का कहना है कि चिकित्सा विभाग के तहत एचडब्ल्यूसी, पीएचसी तथा एएसी केंद्रों में कार्यरत योग प्रशिक्षकों को फिलहाल महीने में केवल 10 दिन की सेवाओं के एवज में मानदेय मिलता है, जो न तो जनस्वास्थ्य की जरूरतों के अनुकूल है और न ही प्रशिक्षकों के जीवन-यापन के लिए पर्याप्त।? महवा ब्लॉक योग प्रशिक्षक संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजयपाल पोसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा संचालित आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पूरे देश में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुधार के लिए योग की बड़ी भूमिका तय की गई है। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में प्रतिमाह केवल 10 दिनों के अभ्यास से जनता को वह अपेक्षित स्वास्थ्य लाभ नहीं मिल पा रहा, जिसकी कल्पना केंद्र सरकार की इस योजना में की गई थी।पोसवाल ने कहा कि लाइलाज और गंभीर बीमारियों की रोकथाम तथा

स्वास्थ्य की पुनर्बहाली में योग का निरंतर अभ्यास अत्यावश्यक है, इसलिए प्रशिक्षकों की सेवाओं को पूरे माह किया जाना समय की मांग है। ब्लॉक संघर्ष समिति के मीडिया प्रभारी लोकेश सैनी भंडपुरा ने बताया कि उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बेरवा के महवा विधानसभा दौरे के दौरान मानपुर चौराहे पर जिले भर के सैकड़ों योग प्रशिक्षकों ने एकजुट होकर उपमुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा और अपनी मांगों से अवगत कराया। इसके तुरंत बाद शाम को कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा जब मनोहरपुर से जयपुर की ओर जा रहे थे, तब महवा ब्लॉक के योग प्रशिक्षकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने उनसे भी मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। प्रशिक्षकों ने मंत्री को बताया कि महीने में मात्र 10 दिन की सेवा और सीमित मानदेय राशि के कारण उनके सामने आर्थिक संकट गहरा रहा है।

महवा ब्लॉक के उपाध्यक्ष हरिओम शर्मा ने मंत्री मीणा को बताया कि योग प्रशिक्षक अपनी जिम्मेदारी और ईमानदारी से आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन वर्तमान मानदेय से आज के दौर में गुजारा करना अत्यंत कठिन है। उन्होंने आग्रह किया कि प्रशिक्षकों की सेवाओं को पूरे माह किया जाए और मानदेय में उचित वृद्धि करते हुए उन्हें स्थिरता और सम्मानजनक आय प्रदान की जाए। ज्ञापन सौंपने के दौरान ब्लॉक अध्यक्ष विजयपाल पोसवाल, उपाध्यक्ष हरिओम शर्मा, मीडिया प्रभारी लोकेश सैनी, निरंजन प्रजापत, सोहन सिंह, मनीष सैनी, देवेंद्र सिंह, योगेश जांगिड़, विश्राम योगी, राहुल शर्मा, गिरधर, रवि कुमार गुर्जर, अजय शर्मा सहित दर्जनों योग प्रशिक्षक उपस्थित रहें।

एम.डी. ग्रुप ऑफ एजुकेशन, चिड़ावा में हुआ मेगा टैलेंट सर्च परीक्षा के फाइनल राउंड का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

झुंझुनूं रोड़ स्थित एम.डी. ग्रुप ऑफ एजुकेशन की ओर से संचालित एम. डी. टैलेंट सर्च एग्जाम (MDTSE) का तीसरा व अंतिम संस्करण सोमवार को सम्पन हुआ। इस परीक्षा में कक्षा 6 से 12 तक के अंतिम चरण में कक्षावार टॉप - 10 रैंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों ने परीक्षा देकर अपने आने वाले कल के प्रति 1 करोड़ रुपए की स्कॉलरशिप व 15 लाख रुपए के कैश प्राइज को सुनिश्चित किया है। एम.डी. ग्रुप ऑफ एजुकेशन के चेयरमैन सुनील कुमार डांगी ने बताया कि MDTSE का मुख्य उद्देश्य केवल स्कॉलरशिप प्रदान करना नहीं, बल्कि बच्चों की प्रतिभा को पहचान कर उन्हें बेहतर भविष्य की दिशा में मार्गदर्शन देना है। यह परीक्षा कक्षा 6 से 10वीं तथा 11वीं और 12वीं (गणित और विज्ञान संकाय) के छात्रों के लिए आयोजित की जा रही है। खास बात यह है कि ओलंपियाड, NEET, JEE जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र भी इस परीक्षा में भाग लेकर अपनी तैयारियों को मजबूत बना सकते हैं। संस्थान के निदेशिका सुमित डांगी ने बताया कि MDTSE के माध्यम से संस्थान यह सुनिश्चित करना चाहता है कि कोई भी प्रतिभाशाली छात्र बिना अवसर पाए पीछे न रहे। सभी छात्रों को अपनी क्षमता के अनुरूप सफलता

प्राप्त करने का अवसर दिया जाएगा। यह एक सुनहरा अवसर है सभी प्रतिभाशाली छात्रों इस परीक्षा में भाग लेकर अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता को निखार सकते है।

एम.डी. ग्रुप ऑफ एजुकेशन के चेयरमैन सुनील कुमार डांगी ने परीक्षा से पूर्व एम.डी. सभागार में उपस्थित समस्त विद्यार्थी व अभिभावकों को संबोधित करते हुए बताया कि टैलेंट सर्च एग्जाम द्वारा ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को तराश कर देश की मानक परीक्षाओं (आई. आई टी. (IIT), नीट (NEET), यूपीएसई आदि) का मार्ग प्रशस्त करना है। उन्होंने अभिभावकों को विश्वास दिलाया कि एम.डी.सी.एल. की एक्सपर्ट व समर्पित टीम शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारों को स्थापित करते हुए अब चिड़ावा में ही डॉक्टर व इंजीनियर बनने के सपनों को साकार करेगी। इस कार्यक्रम में उपस्थित समस्त अभिभावकों ने एम. डी. टैलेंट सर्च एग्जाम (MDTSE) के आयोजन की सराहना करते हुए इसे झुंझुनूं जिले के लिए अभूतपूर्व प्रयास बताया । एम. डी. ग्रुप ऑफ एजुकेशन अपने कुशल प्रबंधन, संस्कारमय वातावरण व शैक्षणिक नवीन अनुसंधानों के माध्यम से नित नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है । एम. डी. ग्रुप ऑफ एजुकेशन बड़े शहरों की तनावपूर्ण जीवन शैली से दूर आई. आई टी. (IIT),नीट (NEET) की तैयारी के लिए एकमात्र विकल्प बन गया है । वर्तमान में कक्षा 6 से 10 प्री फाउंडेशन, 11 से 12 फाउंडेशन व टारगेट के नये बैच भी संचालित है। इस अवसर पर एम. डी. ग्रुप ऑफ एजुकेशन के समस्त सदस्य उपस्थित रहें।

पिलानी दुष्कर्म प्रकरण: 6 दिन बाद धरना-प्रदर्शन और भीम आर्मी की भूख हड़ताल समाप्त, एक आरोपी गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पिलानी।

नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग को लेकर डॉ. भीमराव आंबेडकर मूर्ति स्थल पर भीम आर्मी एकता मिशन के नेतृत्व में चल रहा धरना-प्रदर्शन और भूख हड़ताल सोमवार को छठे दिन बाद समाप्त हो गया। लगातार पांच दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे भीम आर्मी पदाधिकारियों ने पुलिस प्रशासन द्वारा एक नामजद आरोपी की गिरफ्तारी के बाद आंदोलन खत्म करने की घोषणा की। कैलाश दास महाराज ने बताया कि पिछले छह दिनों से भीम आर्मी पदाधिकारी आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। सोमवार को आज छठे दिन दोपहर में पुलिस प्रशासन हरकत में आया। अतिरिक्त पुलिस

अधीक्षक (ASP) फूलचंद मीणा और पिलानी थाना अधिकारी चंद्रभान चौधरी धरना-प्रदर्शन स्थल पर पहुँचे और आंदोलनकारियों से बातचीत की। भूख हड़ताल पर बैठे पदाधिकारियों में सत्यवान इंदासर, विकास आल्हा, सोमबीर आजाद (नवां) और मनोज कुमार (नवां) शामिल थे। भीम आर्मी जिलाध्यक्ष विकास आल्हा ने बताया कि पुलिस प्रशासन द्वारा चार नामजद आरोपियों में से एक को गिरफ्तार कर लिया गया है। जांच अधिकारी ने आश्वस्त किया कि इस मामले में कोई भी आरोपी नहीं बचेगा। पुलिस की इस कार्यवाही से पूरी टीम ने सहमति जताई। कपिल गोठवाल ने कहा कि आगे की कानूनी लड़ाई न्यायालय में लड़ी जाएगी।

समर्थन के लिए आभार

जिलाध्यक्ष विकास आल्हा ने समस्त सामाजिक संगठनों, सर्व समाज कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों का धन्यवाद जताया, जिन्होंने धरने स्थल पर आकर समर्थन किया और तन, मन, धन से पीड़ित परिवार की मदद की। इस अवसर पर पीड़ित परिवार की माताजी सुनीता देवी, समाजसेवी राजेश दहिया, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सतवीर बरवड़, उपसरपंच राकेश पाठड़िया, पिलानी तहसील अध्यक्ष चेतराम लिखवा, सूरजपाल आसपा अध्यक्ष पिलानी, सूरजगढ़ तहसील अध्यक्ष प्रीतम बिजौली, विक्रम इंडाली, शीशराम गोठवाल, राजेश खुडाना, सुनील सिरस्वा, कमलेश काला, जोगेंद्र आल्हा, आकाश आल्हा, कॉमरेड हरिओम, रणजीत बिगौदना, शेरसिंह मोरवा, सुनील शेखावत, महेश राजपूत, रवि चंदेलिया, नवीन मालूपुरा और पवन अरडावता आदि भीम आर्मी पदाधिकारी उपस्थित रहें।

राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत झुंझुनूं में दस दिवसीय विशाल निःशुल्क आयुर्वेद शल्य चिकित्सा शिविर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

राष्ट्रीय आयुष मिशन, आयुष मंत्रालय और आयुर्वेद विभाग राजस्थान सरकार के सहयोग से झुंझुनूं में एक विशाल दस दिवसीय निःशुल्क अंतरंग क्षारसूत्र शल्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 15 दिसंबर से 24 दिसंबर 2025 तक नौरंगराम दयानन्द ढूकिया शिक्षण संस्थान एवं अस्पताल, मलसीसर रोड़, झुंझुनूं में आयोजित किया जाएगा। शिविर में पाइल्स (बवासीर), फिस्टुला (भगंदर) और फिशर जैसी गुदा रोगों की समस्याओं का आयुर्वेद की प्रमाणिक क्षारसूत्र शल्य चिकित्सा पद्धति से निःशुल्क उपचार किया जाएगा। आयुर्वेद विभाग, झुंझुनूं के उपनिदेशक डॉ. जितेन्द्र स्वामी ने बताया कि क्षारसूत्र शल्य चिकित्सा इन रोगों के उपचार में अत्यंत प्रभावी पद्धति है। इसमें साधारण शल्य क्रिया की अपेक्षा कम कष्ट होता है और रोग की पुनरावृत्ति की संभावना अत्यन्त कम रहती है। रोगियों को आवश्यकतानुसार भर्ती रखकर विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा सम्पूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। शिविर प्रभारी डॉ. महेश माटोलिया ने बताया कि शिविर में गठिया, जोड़ दर्द, कमर दर्द, माइग्रेन एवं पुराने दर्दों के लिए पंचकर्म चिकित्सा (अभ्यंग, स्वेदन, बस्ति, शिरोधारा) भी रोगी की अवस्था अनुसार की जाएगी। साथ ही, जोड़ों एवं एड़ी के दर्द, टेनिस एल्बो, स्नायु रोगों में अग्निकर्म एवं विद्धकर्म द्वारा तुरंत

राहत प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित चिकित्सकों की सुविधा उपलब्ध रहेगी। प्रतिदिन सुबह 07 बजे से 8 बजे तक योग परामर्श एवं स्वस्थ जीवनशैली मार्गदर्शन परामर्श भी उपलब्ध रहेगा। शिविर का उद्देश्य आमजन को सुरक्षित, प्रभावी व निःशुल्क आयुर्वेदिक उपचार उपलब्ध कराना है।

शिविर के लिए पंजीकरण 11 दिसंबर से 14 दिसंबर तक झुंझुनूं जिले के चिकित्सालयों/आयुष्मान आरोग्य मंदिरों/औषधालयों में प्रातः 9:00 बजे से 3:00 बजे तक किया जाएगा। आवास और ऑपरेशन थिएटर की व्यवस्था के लिए डॉ. संदीप ढूकिया, निदेशक (नौरंगराम दयानन्द ढूकिया शिक्षण संस्थान एवं अस्पताल) का सहयोग रहेगा। अस्पताल परिसर में परामर्श कक्ष, उपचार कक्ष, ऑपरेशन थिएटर, महिला एवं पुरुष वार्ड, योगा कक्ष व प्रतिक्षा कक्ष को मानक पैरामीटर्स पर तैयार किया गया है।

गुदा रोगों पर विशेषज्ञ की राय

आयुर्वेद सर्जन एवं क्षारसूत्र विशेषज्ञ डॉ. सुनील कानोड़िया ने बताया कि भारत में लगभग 4 करोड़ लोग पाइल्स एवं अन्य गुदा रोगों से पीड़ित हैं और यह संख्या अव्यवस्थित दिनचर्या (तनाव, नींद का अभाव, वेस्टर्न टॉयलेट, फास्ट फूड, कब्ज) के कारण बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि 90 प्रतिशत रोगियों को सर्जरी की आवश्यकता नहीं होती है और वे जीवनशैली में परिवर्तन कर लाभ प्राप्त कर सकते हैं, लेकिन उपेक्षा घातक हो सकती है। डॉ. कानोड़िया ने बताया कि क्षारसूत्र शल्य चिकित्सा पद्धति में मेडिकेटेड थ्रेड का उपयोग होता है, जिसमें बहुत कम चीर-फाड़ की जाती है। सामान्यतः रोगी को एक सप्ताह में पूर्ण आराम मिल जाता है और रोग के दुबारा होने की संभावना भी न्यूनतम होती है।

समाजसेवी सिंगोदिया के निधन पर पीसीसी चीफ डोटासरा ने जताई संवेदना

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व लक्ष्मनगढ विधायक पूर्व शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा ने महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास निर्माण समिति लक्ष्मनगढ के अध्यक्ष

रामावतार सिंगोदिया के निधन पर अपनी संवेदना व्यक्त करने सोमवार को उनके निज निवास पहुंचे। जहां डोटासरा ने सिंगोदिया को श्रद्धांजलि अर्पित कर परिजनों को ढांढस बंधाया। उन्होंने सिंगोदिया को सेवा के लिए समर्पित बताया। इस अवसर पर पीसीसी सचिव दिनेश कस्वां युवा नेता मनोज राकसिया, फतेहपुर के मोतीलाल पापटाण, रामावतार कटारिया, ओमप्रकाश कम्मा भी मौजूद थे।

विवेकानन्द स्कूल ने जीती 7 वीं नेशनल इंडो किक चैंपियनशिप 2025

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

मंड्रेल्ला रोड स्थित विवेकानन्द पब्लिक सेकण्डरी स्कूल के छात्र/ छात्राओं ने दिनांक 7 - 12- 2025 को आयोजित 7 वीं नेशनल इंडो किक चैंपियनशिप 2025 में राजस्थान की टीम से खेलते हुए 3 गोल्ड , 7 सिल्वर व 7 ब्रॉन्ज सहित कुल 17 मेडल जीते। विद्यालय के कोच विक्रम सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 6 राज्यों के कुल 150 छात्र / छात्राओं ने भाग लिया । विवेकानन्द स्कूल के छात्र भव्य सैनी , प्रद्युम्न सैनी व छात्रा जिया सैनी ने गोल्ड,छात्रा कनिका सैनी ,छात्र रौनक सैनी, प्राशू , दिव्यांशु , जितेश, हर्ष व शुभम ने सिल्वर तथा छात्र नितिन जांगिड़,अरुण, जोनी सिंह , कनिष्क ,उमेश व गर्वित ने ब्रॉन्ज मेडल जीते। साथ ही इस प्रतियोगिता में विवेकानन्द स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया । छात्र / छात्राओं के शानदार प्रदर्शन पर स्कूल

के निदेशक शिवचन्द सैनी, सचिव कोशी सैनी,प्रिंसिपल विनोद कुमार सैनी, महिला कोच लीना कुमारी व समस्त स्टाफ ने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राहुल गांधी मानहानि केस- परिवादी की गवाही दर्ज, आज भी होगी जिरह

सुलतानपुर (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़े मानहानि प्रकरण में लोकसभा में नेतापक्ष कांग्रेस के राहुल गांधी के खिलाफ एमपी-एमएलए कोर्ट मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत में सोमवार को परिवादी के गवाह की गवाही दर्ज की गई। परिवादी पक्ष के अधिवक्ता संतोष पांडेय के अनुसार गवाह रामचंद्र दूबे अदालत में उपस्थित हुए, जिनकी मुख्य गवाही दर्ज की गई।

इसके बाद बचाव पक्ष के वकील ने गवाह से जिरह शुरू की, किंतु जिरह पूर्ण न होने पर अदालत ने शेष जिरह के लिए कल नौ दिसंबर की तारीख तय की है। गौरतलब है कि यह मामला वर्ष 2018 का है। चार अगस्त को कोऑपरेटिव बैंक के पूर्व चेयरमैन व भाजपा नेता विजय मिश्र ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि वाद दायर किया था। आरोप है कि राहुल गांधी ने बेंगलुरु की एक जनसभा में तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिससे आहत होकर परिवादी ने अदालत शरण ली। कोर्ट ने मामले में 27 नवंबर 2023 को राहुल गांधी को तलब किया था। राहुल गांधी ने 20 फरवरी 2024 को पेश होकर जमानत कराई थी। बाद में 25 जुलाई को उनका बयान दर्ज हुआ था, जिसमें उन्होंने इस मुकदमे को राजनीतिक साजिश बताया था। अब गवाह रामचंद्र दूबे से बचाव पक्ष की शेष जिरह पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

पालघर पुलिस स्टेशन में महिला से दुष्कर्म, आरोपी कांस्टेबल गिरफ्तार

पालघर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक महिला के साथ दुष्कर्म के आरोप में कासा पुलिस स्टेशन के एक 40 वर्षीय कांस्टेबल को गिरफ्तार किया गया है। घटना पिछले सप्ताह थाने में तब हुई जब पीड़िता को बयान दर्ज कराने के बहाने बुलाया गया था। पीड़ित महिला की शिकायत के अनुसार, कांस्टेबल ने थाने में उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। मामले के सामने आते ही पुलिस विभाग ने आरोपी के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज कर रविवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। घटना को गंभीरता से लेते हुए विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। कासा पुलिस स्टेशन के इंचार्ज को भी इस मामले के बाद ट्रांसफर कर दिया गया है। वरिष्ठ अधिकारी पूरे मामले की जांच की निगरानी कर रहे हैं।

पेंशन संबंधी समस्याओं के लिए विशेष शिविर का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

राजस्थान सरकार के वित्त विभाग के निर्देश पर पेंशनर्स की परिवेदनाओं के निवारण हेतु जिला कोष कार्यालय स्तर पर शिविर का आयोजन किया जाएगा। आदेश के अनुसार यह शिविर 12 दिसंबर को प्रातः 11 बजे से दोपहर 4 बजे तक जिला कोष कार्यालय झुंझुनूं में आयोजित होगा। इसमें पेंशनर्स की शिकायतें सुनकर वहीं समाधान किया जाएगा।

ऑल वेदर रोड के खिलाफ उतरा संघ... 7 हजार देवदार के पेड़ों को काटने का विरोध

उत्तरकाशी (एजेंसी)। उत्तराखंड में केन्द्र और राज्य सरकार की महत्वकांक्षी गंगोत्री हाईवे परियोजना यानी ऑल वेदर रोड के खिलाफ संघ यानी आरएसएस खुलकर विरोध में आ गया है। संघ के सह-सरकार्यवाह डॉ कृष्ण गोपाल और भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री मुरली मनोहर जोशी ने परियोजना के तहत 7 हजार देवदार के पेड़ों को काटने का विरोध किया है। इसके बाद उत्तरकाशी के हर्षिल में 100 से ज्यादा लोगों ने देवदार के पेड़ों को रक्षा सूत्र बांधा। इसका समर्थन देने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती भी पहुंचे। पर्यावरण जानकार ने बताया कि ये पेड़ भागीरथी इकोनॉमिक सेंसेटिव जोन में काटे जाएंगे, जिससे गंगा का पानी सूख जाएगा। इसका असर पूरे उत्तर भारत में देखने को मिलेगा और बर्फबारी में कमी होगी। इसी साल नवंबर में उत्तराखंड के वन विभाग के अनुसार, ऑल वेदर रोड के कारण 41.92 हेक्टेयर वन क्षेत्र का नुकसान होगा, इसमें कई देवदार के पेड़ भी शामिल हैं। इससे पहले बताया गया था कि 900 किलोमीटर लंबी परियोजना में कुल 56 हजार से ज्यादा पेड़ काटे होने थे, जिनमें से लगभग 36,000 पेड़ पहले ही काटे जा चुके थे।

प्रतिबंधित क्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ते 34 मछुआरे गिरफ्तार, दो नौकाएं भी जब्त

कोच्ची (एजेंसी)। ओडिशा के वन अधिकारियों ने केंद्रपाड़ा जिले के गहिरमाथा समुद्री अभयारण्य से 34 मछुआरों को गिरफ्तार किया है और दो नौकाएं भी जब्त किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वन विभाग के अधिकारी ने बताया कि ये गिरफ्तारियां पिछले 48 घंटों में की गईं। आरोप है कि मछुआरे प्रतिबंधित क्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ रहे थे। भितरकनिका के सहायक वन संरक्षक ने बताया कि अभयारण्य के निषिद्ध क्षेत्रों में पहुंचे मछुआरों की नौकाएं वन गश्ती दलों ने जब्त कर ली हैं। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार मछुआरे बालासोर और मयूरभंज जिलों के निवासी हैं। बाद में उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। नौकाएं अभयारण्य के प्रतिबंधित गलियारों तक घुस आईं और उन्होंने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, ओडिशा समुद्री मत्स्य विनियमन अधिनियम और समुद्री अभयारण्य से जुड़े अनिवार्य नियमों का उल्लंघन किया। ओलिव रिडले समुद्री कछुओं के प्रजनन क्षेत्रों में मछली पकड़ने के आरोप में अब तक करीब 200 मछुआरों को गिरफ्तार किया जा चुका है। बता दें राज्य सरकार ने लुप्तप्राय ओलिव रिडले कछुओं के प्रजनन काल को ध्यान में रखते हुए एक नवंबर से धामरा से देवी नदी के मुहाने तक 20 किलोमीटर के इलाके में सात महीने के लिए मछली पकड़ने पर बैन लगा दिया है। हालांकि, गहिरमाथा को समुद्री अभयारण्य का दर्जा प्राप्त होने के कारण यहां यह प्रतिबंध पूरे साल लागू रहता है।

मॉडल के.एम. स्कूल के बच्चों ने एनएसएस कैंप में 'स्वास्थ्य संगम' स्वयंसेवकों ने योग से पाई नई ऊर्जा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । मॉडल के. एम. स्कूल द्वारा आयोजित एक दिन के एनएसएस कैंप में इस बार योग पर जोर दिया गया। एक दिवसीय एनएसएस शिविर को सूर्य नमस्कार व योगासन मेडिटशन और व्यायाम के साथ शुरूआत कराई गई। कैंप के दौरान स्वयंसेवकों ने समाज सेवा के कार्यों के साथ.साथ रोजाना सुबह योग सत्र में भाग लिया। इस कैंप में पंतजली योग पीठ से योगा अध्यापक कमल योगी द्वारा बच्चों को अलग-अलग योग करवाए गएव योग के महत्व के बारे मे जानकारी दी गई। इस पहल को 'स्वास्थ्य संगम' नाम दिया गया। योग प्रशिक्षकों ने सरल सूर्य नमस्कार, ध्यान और श्वास अभ्यास प्राणायाम, करवाए। एनएसएस के इन्चार्ज अनिल कुमार व नीति मैहता बताया कि ने बताया कि योग ने स्वयंसेवकों को कठिन शारीरिक श्रम के बाद मानसिक शांति और शारीरिक स्फूर्ति प्रदान की, जिससे वे पूरे उत्साह के साथ समाज सेवा के लक्ष्यों को पूरा कर सके। यह कैंप स्वयंसेवकों के लिए सेवाए स्वास्थ्य और अनुशासन का एक अनूठा मिश्रण साबित हुआ। इस अवसर पर प्रिंसिपल रणधीर पूनियां, ए.एन. बहुगुणा, तरसेम कुमार, संदीप पूनिया, सतपाल नैन, अमन पूनिया, धर्मवीर सिंह, पुष्पा देवी, नीति मेहता, सीमा सिगँला, माफी, विजय, मनजीत, अनिल, अशोक, रमन, सिमरन, जयभगवान, सुखदीप कौर, सुनीता, ज्योती, मोहित शर्मा, सुनील, जगबीर, रामपाल व अन्य सभी स्टॉफ सदस्य व बच्चे उपस्थित रहें।

खाद्य सुरक्षा योजना में अपात्र लाभार्थियों हेतु 'गिव अप' अभियान की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2025 निर्धारित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, राजस्थान सरकार ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना (NFSA) के अपात्र लाभार्थियों को स्वेच्छा से अपना नाम हटवाने के लिए अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2025 घोषित की है। विभाग द्वारा अपात्र राशनकार्डों की छंटनी व सत्यापन प्रक्रिया के तहत यह 'गिव अप' अभियान संचालित किया जा रहा है। 27 सितंबर 2018 की अधिसूचना के अनुसार अपात्र माने जाने वाले परिवारों में आयकर दाता सदस्य वाले परिवार, सरकारी या अर्ध-सरकारी संस्थानों में कार्यरत सदस्य वाले परिवार, एक लाख रुपये से अधिक वार्षिक आय वाले परिवार, चार पहिया वाहन धारक, ग्रामीण क्षेत्र में 2000 वर्गफीट या शहरी क्षेत्र में 1500 वर्गफीट से अधिक स्वयं के आवास वाले परिवार तथा लघु कृषक सीमा से अधिक भूमि वाले परिवार शामिल हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अपात्र लाभार्थियों के लिए यह अंतिम अवसर है। इच्छुक परिवार 31 दिसंबर 2025 से पूर्व ऑनलाइन आवेदन कर या नजदीकी ई-मित्र केंद्र के माध्यम से अपना नाम खाद्य सुरक्षा सूची से हटवा सकते हैं। जो उपभोक्ता NFSA के तहत मिलने वाला गेहूँ लगातार छह महीने तक नहीं लेते, उनका नाम योजना से स्वतः हटा दिया जाएगा। विभाग द्वारा अपात्र राशनकार्डों की सूचना उचित मूल्य दुकानदारों को भेजकर सत्यापन कराया जा रहा है। निर्धारित समय सीमा में नाम नहीं हटाने पर अपात्र पाए गए लाभार्थियों से 30.57 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से गेहूँ की वसूली की जाएगी। विभाग ने आमजन से अपील की है कि अपात्र परिवार समय रहते स्वैच्छिक 'गिव अप' आवेदन कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें।

भारतीय किसान यूनियन नैन गुट ने गांव कन्हड़ी, ढेर व चिल्लेवाल में बीज विधेयक बिल की प्रतियां की स्वाह

जिला फतेहाबाद प्रधान लाभ सिंह की अगुवाई में किसानों ने किया प्रर्दशन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । सोमवार को संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर सभी गांव में नए बीज विधेयक बिल, नई कृषि क्रांति नीति और बिजली विधायक 2025 की प्रतिया पक्का मोर्चा टोहाना पर दहन की गई और केंद्र सरकार को सचेत किया गया कि इन नए बीज बिल, नई कृषि क्रांति बिल और 2025 बिजली विधयक बिल को रद्द किया जाए जो की किसान मजदूर औरआम जन के विरोधी हैं इसलिए इसे तुरंत प्रभाव से रद्द किया जाए अन्यथा संयुक्त किसान मोर्चा इसके लिए आंदोलन करेगा और सरकार को वादय करेगा कि इनको तुरंत वापस किया जाए इस कार्यक्रम में लाभ सिंह हरी,गुरदयाल सिंह,तरसेम सिंह, मुंशी राम ,सुबे सिंह आर्य, मछंदर सिंह ,पाल सिंह, बलजीत सिंह, हकिम चंद्र, कर्मवीर, सेवा सिंह, रेशम सिंह आदि साथियों ने भाग लिया।

नशा मुक्त हरियाणा अभियान को जन आंदोलन बनाने की जरूरत- गायत्री

सीजेएम गायत्री ने अधिकारियों के साथ बैठक कर दिए जरूरी निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण के निर्देश पर जिला फतेहाबाद में नशा मुक्त हरियाणा मिशन को गति देने के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया है। यह विशेष अभियान 7 दिसंबर, 2025 से 7 जनवरी, 2026 तक जारी रहेगा। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव गायत्री ने बताया कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष दीपक अग्रवाल के मार्गदर्शन में इस अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि अभियान का मुख्य लक्ष्य नागरिकों, विशेषकर युवाओं को नशे के खतरों, इसके दीर्घकालिक दुष्प्रभावों और एनडीपीएस अधिनियम के कानूनी प्रावधानों के बारे में जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि नशे की गिरफ्त में आए युवाओं को पुन: मुख्यधारा से जोडने के लिए जिले में उपलब्ध पुनर्वास सेवाओं की जानकारी भी व्यापक स्तर पर प्रदान की जाएगी। समाज को प्रेरित करने के लिए उन नागरिकों की सकारात्मक कहानियां भी लोगों तक पहुंचाई जाएंगी जिन्होंने नशा छोडक़र एक नई शुरुआत की है। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा गांवों, विद्यालयों, शिक्षण संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता शिविरों का विस्तृत कार्यक्रम तैयार किया गया है। इसी क्रम में रैलियों, प्रतियोगिताओं तथा कानूनी साक्षरता सत्रों का आयोजन भी किया जाएगा। सीजेएम गायत्री ने बैठक में उपस्थित विभिन्न विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नशा मुक्ति हरियाणा अभियान को सफल बनाने हेतु अधिकतम सहयोग सुनिश्चित करें तथा सामाजिक संस्थाओं और पंचायतों को भी इस अभियान से जोडक़र इसे सशक्त जन आंदोलन का रूप देने में योगदान करें। बैठक में डीडीपीओ अनूप सिंह, सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के उप निदेशक अमित पंवार, जिला औषधि नियंत्रक दिनेश कुमार, एएसआई अमरजीत सिंह, नशा मुक्ति टीम इंचार्ज उपनिरीक्षक सुंदरलाल, जिला लीगल लिटरेसी क्लब कोऑर्डिनेटर विनोद कुमार आदि अधिकारी उपस्थित रहें।

टोहाना के विभिन्न समस्याओं पर नगर पार्षद रामकुमार सैनी ने जताया रोष

नगर परिषद चेयरमैन नरेश बंसल का बराला से छत्तीस का आंकड़ा से रूके विकास कार्य

शहर की हर गली कूचों में अन्धकार छाया,पुराना ठेकेदार अभी तक कर रहा है मनमानी

विपक्षी पार्षद रामकुमार सैनी ने की मुख्यमंत्री विजिलेंस से सभी भ्रष्टाचारीयों पर सख्त कार्रवाई की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

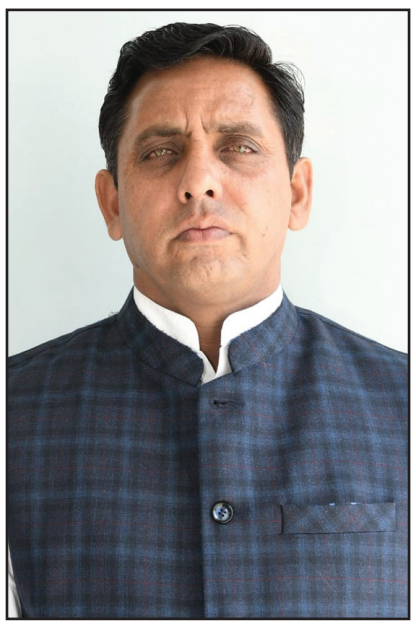

विजय रंगा(ब्यूरो चीफ) । नगर परिषद टोहाना के पूर्व उपप्रधान एवं वार्ड नंबर 10 के पार्षद रामकुमार सैनी ने शहर की बढ़ती समस्याओं पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान समय में टोहाना की स्थिति लगातार बिगड़ रही है। शहर में आवारा पशुओं, बंदरों व कुत्तों की बढ़ती संख्या से लोग परेशान हैं। कई वार्डों में स्ट्रीट लाइटें लंबे समय से खराब पड़ी हुई हैं और डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन भी सही तरीके से नहीं हो रहा, जबकि नागरिकों के खातों से कलेक्शन शुल्क नियमित रूप से काटा जा रहा है। उन्होंने बताया कि डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन और स्ट्रीट लाइट रिपेयर के टेंडर समाप्त हुए लगभग 50-60 दिन बीत चुके हैं, लेकिन नए टेंडर की प्रक्रिया आज तक शुरू नहीं हो पाई। कई स्थानों पर अधूरी सडक़ों को तोडक़र छोड़ दिया गया है, जिससे लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इन सभी विषयों पर नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी का ध्यान न के बराबर है, जिससे जन समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं। पार्षद सैनी ने कहा कि सरकार को टोहाना की वर्तमान स्थिति को देखते हुए तुरंत प्रभाव से कार्रवाई करनी चाहिए और सभी लंबित कार्यों को शीघ्र शुरू करवाना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि इन लापरवाहियों के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में जनता को ऐसी समस्याओं का सामना न करना पड़े। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ समय पहले नगर परिषद प्रधान का बयान आया था कि अधिकारी उनकी बात नहीं सुनते। यदि ऐसी स्थिति है, तो या तो प्रधान को स्वयं इस्तीफा देना चाहिए अथवा मुख्यमंत्री से मिलकर कार्यकारी अधिकारी के खिलाफ उचित कानूनी कार्यवाही करवानी चाहिए, क्योंकि नगर परिषद के सुचारू संचालन की जिम्मेदारी अधिकारी और जनप्रतिनिधि दोनों पर समान रूप से होती है। रामकुमार सैनी ने कहा कि यदि नगर परिषद प्रधान शहर की समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम उठाते हैं और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करवाने में गंभीर हैं, तो वह और शहर की जनता उनके साथ खड़े होंगे। लेकिन यदि केवल प्रतीकात्मक धरने या घोषणाओं के बाद भी मामले ठंडे बस्ते में डाल दिए जाते हैं, तो जनता अपनी समस्याओं को लेकर स्वयं आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

हाई कोर्ट के आदेश का उल्लंघन! खाटू श्यामजी में कच्ची बस्ती हटाने के विरोध में घुमंतु समाज का प्रदर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सीकर।

खाटू श्यामजी के वार्ड नंबर 18 में लगभग 25 वर्षों से निवास कर रहे घुमंतु समाज ने आज प्रशासन द्वारा की जा रही कच्ची बस्ती हटाने की कार्रवाई के विरोध में जिला कलेक्टर सीकर को ज्ञापन सौंपा। समाज ने बिना वैकल्पिक भूमि दिए बस्ती हटाने की कार्रवाई पर तुरंत रोक लगाने की मांग की है, इसे हाई कोर्ट के आदेशों का सीधा उल्लंघन बताया है। समाज ने जोर देकर कहा कि उनके पास राशन कार्ड, वोटर आईडी, आधार कार्ड, बिजली एवं पानी के कनेक्शन सहित सभी सरकारी दस्तावेज इसी पते पर जारी हैं, जो उनके स्थायी निवास का स्पष्ट प्रमाण हैं। ज्ञापन में राजस्थान हाई कोर्ट के दिनांक 09-09-2020 के महत्वपूर्ण आदेश का जिक्र किया गया। इस आदेश में कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिए थे कि किसी भी व्यक्ति या बस्ती को हटाने से पहले उसे वैकल्पिक भूमि/आवास उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा और बिना वैकल्पिक व्यवस्था किए किसी को बेघर नहीं किया जा सकता। घुमंतु समाज का कहना है कि प्रशासन वर्तमान कार्रवाई करके इस आदेश के विपरीत जा रहा है।

घुमंतु समाज की प्रमुख मांगें

घुमंतु समाज के लोगों ने कलेक्टर से तत्काल मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांगे रखीं कि कच्ची बस्ती हटाने की कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाई जाए। बिना वैकल्पिक भूमि उपलब्ध कराए किसी भी परिवार को बेघर न किया जाए। हाई कोर्ट के 2020 के आदेश का पूर्ण रूप से पालन किया जाए। सभी प्रभावित परिवारों की स्थिति की जाँच कर उन्हें विकल्प दिया जाए।

घुमंतू समाज के लोगों ने कहा, 'हम 25 साल से यहाँ रह रहे हैं। सभी सरकारी दस्तावेज इसी पते पर हैं। हाई कोर्ट का आदेश भी है कि बिना वैकल्पिक भूमि दिए किसी को बेघर नहीं किया जा सकता। प्रशासन तुरंत कार्रवाई रोके और हमें रहने की जगह उपलब्ध कराए। इस प्रदर्शन में पूर्व विधायक का. पेमाराम, SFI के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष जाखड़, युवा बंजारा सेना प्रदेश अध्यक्ष एवं समाजसेवी ईशवर बंजारा, रामू बंजारा, रामरतन बागड़िया, रामचंद्र दुगोली, सरवण बंजारा, रंगलाल बंजारा और बड़ी संख्या में घुमंतु समाज के लोग मौजूद रहें।

बीकानेर बार्डर पार करने की कोशिश कर रहे छात्र को सुरक्षाबलों ने पकड़ा, जासूसी का शक

-पाकिस्तान के रावलपिंडी में रहती है प्रेमिका, 2017 में जेल में हुई थी मुलाकात

बीकानेर (एजेंसी)। राजस्थान के बीकानेर के खाजूवाला सेक्टर में सुरक्षाबलों ने भारत-पाकिस्तान सीमा के पास पाकिस्तान में घुसने की कोशिश करते हुए आंध्र प्रदेश के एक बीटेक ग्रेजुएट छात्र को पकड़ा गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी का नाम प्रशांत वेदम है, जो विशाखापट्टनम का रहने वाला है। उसने सुरक्षा एजेंसियों को बताया कि वह पाकिस्तान में रहने वाली अपनी प्रेमिका से मिलने सीमा पार करने की कोशिश कर रहा था। वह एक बार पहले भी बॉर्डर पार कर पाकिस्तान जा चुका है।

मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि प्रशांत वेदम शुक्रवार दोपहर को खाजूवाला में एक बस से उतरा और इंटरनेशनल बॉर्डर की चला गया, तभी आर्मी कैंप के चक 17 के पास सैनिकों को उसका व्यवहार संदिग्ध लगा और उन्होंने उसे रोक लिया। थोड़ी देर पूछताछ के बाद उन्होंने उसे खाजूवाला पुलिस को सौंप दिया। खाजूवाला एसएचओ के मुताबिक प्रशांत वेदम खुलेआम पाकिस्तान जाने की बात कर रहा था और सीमा पार करने का आसान रास्ता ढूंढ रहा था। आर्मी इंटेलिजेंस को इसकी जानकारी मिली और उसे तुरंत पकड़ लिया। जांच अधिकारियों को शक है कि वह पाकिस्तान लौटने की कोशिश कर रहा था, उसके पाकिस्तान जाने का असली मकसद पूछताछ के बाद ही पता चलेगा। एसएचओ ने कहा कि अब उससे आर्मी और सुरक्षा एजेंसियां पूछताछ करेंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती जांच में पता चला कि यह प्रशांत वेदम की पहली कोशिश नहीं थी। वह पहले 2017 में बीकानेर में करणी पोस्ट के रास्ते पाकिस्तान गया था। उस समय उसे पाकिस्तानी सेना ने गिरफ्तार कर लिया था और वह 2021 तक उनकी हिरासत में रहा था, जिसके बाद उसे अटारी बॉर्डर के रास्ते भारत भेज दिया गया। दोबारा यात्रा करने की उसकी कोशिश ने उसके बयान पर शक पैदा कर दिया है और आर्मी को भी उसके दावों पर शक है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एसएचओ ने बताया कि वह दावा कर रहा है कि उसे पाकिस्तान में एक महिला से प्यार हो गया था जिसे वह अपनी गर्लफ्रेंड प्रविता बता रहा है जो दूसरी सेल में जेल में थी जो रावलपिंडी में रहती है। प्रशांत ने पुलिस को बताया है कि वह उससे मिलने के लिए पाकिस्तान वापस जा रहा था। यह साफ नहीं है कि वह अभी भी उस लड़की के संपर्क में था या नहीं। अधिकारी ने बताया कि आंध्र प्रदेश में प्रशांत के परिवार को सूचना दे दी गई है और उसका भाई अधिकारियों की मदद के लिए खाजूवाला आने के लिए निकल गया है। उसके भाई ने बताया कि प्रशांत वेदम को कुछ मानसिक स्वास्थ्य समस्या है।

रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि प्रशांत बीटेक ग्रेजुएट है। वह चीन और अफ्रीका में भी काम कर चुका है। पुलिस ने बताया कि प्रशांत को अब खाजूवाला में सेफ हाउस में रखा गया है, जहां अलग-अलग खुफिया एजेंसियां उससे मिलकर पूछताछ कर रही हैं ताकि यह पता चल सके कि यह सीमा पार जासूसी का मामला तो नहीं है।

इंडिगो संकट... क्या डीजीसीए के फरमान के बाद भी लापरवाह बना रहा कंपनी का हाई-प्रोफाइल बोर्ड

-कंपनी की आंतरिक निगरानी प्रणाली की क्षमता पर भी प्रश्नचिह्न लगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो बीते पांच दिनों से गंभीर परिचालन संकट में है, जिससे हजारों यात्रियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी है। उड़ानों के लगातार रद्द और विलंब होने से एयरपोर्ट्स पर अराजकता का माहौल बना हुआ है। इस घटना ने न केवल इंडिगो के संचालन मॉडल पर सवाल उठा दिए हैं, बल्कि कंपनी के हाई-प्रोफाइल बोर्ड और उसकी आंतरिक निगरानी प्रणाली की क्षमता पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिया हैं। सवाल उठ रहे हैं कि क्या इंडिगो प्रबंधन और बोर्ड ने संकट की आशंका को देखकर कोई ठोस रणनीति बनाई गई थी।

मामले के केंद्र में पायलटों के लिए लागू होने वाले फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नियम हैं, जिन्हें नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने जनवरी 2024 में अधिसूचित किया था। शुरुआत में यह नियम 1 जून 2024 से लागू होने थे, लेकिन एयरलाइंस कंपनियों के विरोध के चलते इन्हें बाद में दो चरणों में 1 जुलाई और 1 नवंबर 2025 से लागू करने का फैसला हुआ। इसके बावजूद, इंडिगो इन्हें लागू करने की तैयारी समय रहते नहीं कर सकी, इसके परिणामस्वरूप पायलटों की कमी और ड्यूटी शेड्यूल में अव्यवस्था पैदा हुई और संचालन चरमरा गया।

रिपोर्ट के अनुसार, इंडिगो के बोर्ड में कई जानी-मानी हस्तियां हैं, लेकिन उनके बावजूद ऐसी चूक होना हैरान करने वाला है। बोर्ड में इंटरग्लोब एंटरप्राइजेज के ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर और एयरलाइन के सह-संस्थापक राहुल भाटिया, पूर्व जी20 शेरपा अमिताभ कांत, सेबी के पूर्व चेयरमैन दामोदरन, पूर्व एयर चीफ मार्शल बीएस धनोआ, शार्दुल अमरचंद मंगलदास एंड कंपनी की मैनेजिंग पार्टनर पल्लवी श्रॉफ, ट्रांस वर्ल्ड एयरलाइंस के पूर्व वकील माइक व्हिटेकर और चेयरमैन विक्रम मेहता जैसे नाम शामिल हैं। इसके बावजूद, तैयारी में कमी उजागर होने से बोर्ड की जवाबदेही पर तीखी आलोचना हो रही है।

वहीं डीजीसीए पर भी सवाल उठ रहे हैं कि क्या नियामक समय रहते स्थिति को भांप सका था। हालांकि डीजीसीए ने कहा है कि उसने तैयारी पूरी करने के लिए एयरलाइन को लगातार चेतावनी और निर्देश दिए थे। यह पूरा मामला न केवल प्रबंधन क्षमता, बल्कि भारत की विमानन नियामक व्यवस्था की प्रभावशीलता पर भी गंभीर बहस छेड़ चुका है। यात्रियों की असुविधा का सिलसिला जारी है और अब सभी की निगाहें इंडिगो की सुधारात्मक कार्रवाई पर टिकी हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत के साथ शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

कटक (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम यहां मंगलवार को पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत करने के इरादे से उतरेगी । इससे पहले हुई एकदिवसीय सीरीज में जीत से भारतीय टीम के हौंसले बुलंद हैं। इस सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव, वहीं दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी एडन मार्कराम के पास रहेगी। इसी मैच को जीतकर सीरीज में दोनो ही टीम बढ़त लेने के इरादे से उतरेंगी। भारतीय टीम के लिए राहत की बात ये है कि शुभमन गिल फिट हो गये हैं और वह इस मैच में खेलेंगे। उनके अलावा ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या भी इस सीरीज से वापसी करेंगे।

ये सीरीज अगले साल होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप को देखते हुए काफी अहम मानी जा रही है। इससे दोनों टीमें अपनी अपनी तैयारियों का आंकलन करेंगी। भारतीय टीम की बल्लेबाजी आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के अलावा , तिलक वर्मा, कप्तान सूर्यकुमार व शुभमन गिल पर अधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह संभालेंगे। स्पिनर के तौर पर वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव रहेंगे। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी मार्कराम के अलावा डेविड मिलर, क्विंटन डी कॉक पर आधारित रहेगी। गेंदबाजी की कमान केशव महाराज, क्वेना मफाका, लुंगी एनगिडी व, एनरिक नोर्खिया संभालेंगे।

टीमें इस प्रकार हैं

भारतीय टीम : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेट कीपर), संजू सैमसन (विकेट कीपर), जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वाशिंगटन सुंदर।

दक्षिण अफ्रीका : एडन मार्कराम (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, टोनी डी जोरजी, रीजा हेंड्रिक्स, डेविड मिलर, जॉर्ज लिंडे, कॉर्बिन बॉश, मार्को जेनसन, क्विंटन डी कॉक, डोनोवन फरेरा, ट्रिस्टन स्टब्स, ओटनील बार्टमैन, केशव महाराज, क्वेना मफाका, लुंगी एनगिडी, एनरिक नोर्खिया।

अभिषेक एक साल में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने एक अहम रिकार्ड बनाया है जिससे अंदाजा होता है कि वह कितने अच्छे फार्म में हैं। अभिषेक ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में ही पंजाब की कप्तानी करते हुए 250 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। इस बल्लेबाज ने 6 मुकाबलों में 300 से अधिक रन बनाये हैं। सर्विसेज के खिलाफ हुए मुकाबले में उन्होंने तीन छक्के लगाकर अर्धशतक बनाया था।

अभिषेक इसी के साथ ही एक एक कैलेंडर ईयर में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज भी बने हैं। अभिषेक ने सर्विसेज के खिलाफ एलीट ग्रुप सी मैच में 34 गेंदों में 8 चौकों और 3 छक्कों की सहायता से 62 रन की आक्रामक खेली। इस मैच में दूसरा छक्का लगाते ही अभिषेक एक साल में 100 टी20 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने हैं।

अभिषेक ने इस साल भारतीय टीम की ओर से 17 टी20आई मैचों में 47 छक्के लगाए हैं। आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 14 मैचों में 28 छक्के लगाये हैं। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के 2025 सत्र में अभिषेक ने अब तक 6 मैचों में 26 छक्के लगाए हैं। कुल मिलाकर इस साल अब तक खेले गए 37 टी20 मैचों में उनके नाम 101 छक्के हैं। अभिषेक ने पिछले साल भी 39 मैच में सबसे अधिक 39 87 छक्के लगाए थे। वहीं साल 2022 में सूर्यकुमार यादव ने 41 टी20 मैचों में 85 छक्के लगाए थे।टी20 में एक साल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान निकोलस पूरन के नाम है। साल 2024 में पूरन ने 76 मैच में 170 छक्के लगाए थे। इस साल उन्होंने डरबन सुपर जायंट्स, लखनऊ सुपर जायंट्स, एमआई अमीरात, एमआई न्यूयॉर्क, नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स (पुरुष), रंगपुर राइडर्स, ट्रिनबागो नाइट राइडर्स और वेस्टइंडीज की ओर से खेला था। वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज क्रिस गेल विश्व के पहले खिलाड़ी थे, जिन्होंने टी20 में एक कैलेंडर ईयर में 100 छक्के लगाए थे।

जसप्रीत बुमराह के पास तीन बड़े रिकॉर्ड अपने नाम करने का मौका

नई दिल्ली । भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह कुछ ऐतिहासिक माइलस्टोन्स बनाने की कगार पर हैं क्योंकि साउथ अफ्रीका के खिलाफ मंगलवार से कटक में टी20आई सीरीज शुरू हो रही है। टेस्ट सीरीज में 0-2 से शर्मनाक हार के बाद वनडे में वापसी करते हुए भारत ने सीरीज 2-1 से अपने नाम की। सूर्यकुमार यादव और गौतम गंभीर की लीडरशिप में टीम इंडिया टी20 में अभी तक कोई सीरीज नहीं हारी है और प्रोटियाज के खिलाफ बड़ी सीरीज़ जीतकर घरेलू टी20 वर्ल्ड कप की तैयारियों को तेज करने का लक्ष्य रखेगी, यह टीम अनुभव और युवाओं के जोश से बराबर भरी हुई है।

बुमराह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के बाद भारत के लिए टी20आई विकेटों का शतक लगाने वाले दूसरे बॉलर बनने की लाइन में हैं। इसके लिए बुमराह को सिर्फ एक विकेट की जरूरत है। उन्होंने 80 टी20आई में 18.11 के औसत से 99 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका बेस्ट फिगर 3/7 रहा है। टॉप पर अर्शदीप (68 मैचों में 105) हैं। इसके साथ बुमराह खेल के सभी फॉर्मेट में कम से कम 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय बॉलर बन जाएंगे। बुमराह साथ ही सभी फॉर्मेट में 500 विकेट लेने वाले आठवें भारतीय बॉलर बनने से 18 विकेट दूर हैं। 221 मैचों में बुमराह ने 20.60 के औसत से 482 विकेट लिए हैं जिसमें उनके नाम 6/19, 13 चार विकेट हॉल और 18 बार 5 विकेट हॉल का बेस्ट रिकॉर्ड है।

जोफ्रा आर्चर पर भड़के रिकी पोंटिंग, स्टीव स्मिथ के साथ तीखी बहस के लिए साधा निशाना

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने गाबा में खेले गए दूसरे एशेज टेस्ट के दौरान इंग्लैंड के तेज़ गेंदबाज जोफ्रा आर्चर के अचानक सामने आए जोश पर तीखी प्रतिक्रिया दी। ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच आठ विकेट से जीता, लेकिन अंतिम चरण में आर्चर की तेज़ गेंदबाज़ी और स्टीव स्मिथ से हुई बहस सोशल मीडिया पर छा गई। पोंटिंग के अनुसार, आर्चर पूरे मैच में अपनी धार नहीं दिखा पाए और जब मुकाबला लगभग खत्म हो चुका था, तब उनका गुस्सा उभरकर सामने आया। इस देर से दिखे आक्रामक रवैये पर पोंटिंग ने खुलकर सवाल उठाए।

पोंटिंग की कड़ी आलोचना: 'बहुत कम, बहुत देर से'

रिकी पोंटिंग ने कमेंट्री के दौरान कहा कि आर्चर की अचानक तेज़ी मैच की वास्तविक परिस्थितियों के बिल्कुल विपरीत थी। चौथे दिन जब इंग्लैंड 64 रन के छोटे लक्ष्य की रक्षा कर रहा था, तभी आर्चर ने 150 द्मद्वश्चद्ध के करीब रफ्तार पकड़ ली। पोंटिंग के अनुसार, अगर यह ऊर्जा और तीखापन पहले दिखाई देता, तो इंग्लैंड मैच में बेहतर स्थिति में हो सकता था। उन्होंने स्पष्ट कहा, ÷सीरीज के छह दिन बाद आर्चर में जान आई है – वह भी तब, जब दूसरा टेस्ट लगभग खत्म हो चुका था। यह बहुत देर हो चुकी है, चैंप।÷

स्मिथ-आर्चर में गर्मागर्म बहस

ऑस्ट्रेलिया के जीत सुनिश्चित करने से कुछ मिनट पहले आर्चर और स्मिथ के बीच हुए वाक्य-विवाद ने माहौल और गर्म कर दिया। आर्चर ने स्मिथ को कई बाउंसर फेंककर उकसाया, जिस पर स्मिथ ने तीखे शब्दों में पलटवार किया। आर्चर ने कहा, 'तुम ऐसे शॉट तब ही खेलते हो जब स्कोर कम हो।' स्मिथ ने तुरंत जवाब दिया, 'तुम तेज़ बॉलिंग तभी करते हो जब कुछ नहीं बचा होता, चैंप।' यह संवाद तुरंत वायरल हो गया और मैच का सबसे चर्चित पल बन गया।

'चार दिन चूक गए इंग्लैंड': पोंटिंग का तंज

पोंटिंग ने इंग्लैंड की समग्र बॉडी लैंग्वेज और रवैये पर भी सवाल उठाए। उनके मुताबिक, इंग्लैंड चार दिन तक संघर्ष करता रहा और अचानक अंतिम घंटों में आक्रामक दिखने लगा। उन्होंने कहा, 'अब आप लड़ने निकले हो? बहुत देर हो चुकी है। चार दिन का मौका था।'

स्मिथ पर 'द वुड' होने की धारणा को पोंटिंग ने बताया गलत

2019 में लॉर्ड्स टेस्ट में लगे खतरनाक बाउंसर के बाद यह माना जाता है कि आर्चर, स्मिथ के खिलाफ मानसिक बढ़त रखते हैं। पर पोंटिंग ने इस धारणा को पूरी तरह मिथक बताया। टेस्ट क्रिकेट में आर्चर ने स्मिथ को कभी आउट नहीं किया। उन्होंने 220 गेंदों पर 130 रन दिए, जो मौजूदा सांख्यिकी के अनुसार आर्चर के प्रभुत्व वाली कहानी नहीं दिखाते।

एशेज की असली तीखी शुरुआत?

पोंटिंग ने माना कि गाबा में दिखा यह छोटा-सा भिड़ंत टेस्ट क्रिकेट की असली तीव्रता को दर्शाती है। लेकिन पहले दो टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की बढ़त ने इंग्लैंड के लिए चुनौती और कठिन बना दी है। उन्होंने कहा, 'अब खेल असली रूप में आ गया है। एशेज क्रिकेट इसी के लिए जाना जाता है।'

रूट के नाम दर्ज हुआ अनचाहा रिकार्ड, ऑस्ट्रेलिया में लगातार 16 वां टेस्ट हारे

ब्रिस्बेन ।इंग्लैंड की यहां एशेज के दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार के साथ ही अनुभवी बल्लेबाज जो रूट के नाम एक ऐसा रिकार्ड दर्ज हो गया है जिसे वह भूलना चाहेंगे। अब रूट के नाम ऑस्ट्रेलिया में लगातार 16 टेस्ट में हार का शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। इससे पहले पाकिस्तान में लगातार 15 हार का रिकार्ड भारतीय टीम के महान ऑलराउंडर कपिल देव के नाम था।इनके अलावा किसी भी अन्य क्रिकेटर के नाम किसी देश में बिना किसी जीत के इतने मुकाबले हारने का रिकॉर्ड नहीं है। जिस प्राकर रूट का ऑस्ट्रेलिया में रिकॉर्ड कमजोर रहा, वैसे ही कपिल देव का पाकिस्तान में व्यक्तिगत रिकॉर्ड खराब रहा है।कपिल ने पाक में 22 पारियों में 548 रन बनाए, औसत 26.10 रहा, और 44 विकेट लिए, औसत 40.02 रहा।ये उनके करियर का दूसरे सबसे खराब औसत रहा है। रूट ने हालांकि इस बार अच्छा प्रदर्शन किया था पर वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये।इंग्लैंड टीम के बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये जिससे टीम हार गयी।उसके बल्लेबाज दोनों पारियों में रन बनाने में विफल रहे।रूट ने हालांकि पहली पारी में शतक लगाया था पर उन्हें किसी से साथ नहीं मिला।

रोहित और कोहली की जगह को लेकर अब सवाल नहीं उठाने चाहिये : बांगर

विशाखापट्टनम।भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगर ने कहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा बढ़ती उम्र के बाद भी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।ऐसे में टीम में इनकी जगह को लेकर किसी भी प्रकार के सवाल नहीं उठाये जाने चाहिये।बांगर ने कहा कि पिछले कुछ समय के अंदर दोनो ने अपने प्रदर्शन से दिखा दिय है कि वे अभी भी विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से हैं।इसलिए इन दोनो के साथ अलग तरह से व्यवहार होना चाहिये। इसके अलावा इसकी टीम में जगह को लेकर किसी प्रकार प्रकार की आशंकाएं नहीं लगायी जानी चाहिये।इन किन ने पिछले छह एकदिवसीय मैचों में अपने को साबित किया है। ऑस्ट्रेलिय और दक्षिय अफ्रीका के खिलाफ देखा जाये तो इन दोनो ने जो खेल दिखाया वह कोई और नहीं दिखा पाया। बांगर ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि अबटीम में इनकी की जगह को लेकर सवाल उठाए जाने चाहिए।उनके इतने वर्षों में टीम को दिए गए योगदान पर ध्यान देना चाहिए।'' कोहली और रोहित अब केवल एकदिवसीय प्रारूप में ही खेलते हैं।भारतीय टीम ने पिछले कुछ समय में इस प्रारूप में बहुत कम मैच खेले हैं। बांगर का मानना है कि उन्हें लय हासिल करने में कुछ समय लग सकता है। उन्होंने कहा, ''वे दो प्रारूपों से संन्यास ले चुके हैं, इसलिए ज़ाहिर है कि उन्हें लय हासिल करने में कुछ समय लग सकता है पर वे ऐसा कई बार कर चुके हैं।उन्हें किसी युवा खिलाड़ी जितने मैच खेलने की जरूरत नहीं है।एक बार वे जब अपनी लय हासिल कर लेते हैं तो उन्हें रन बनासे से रोकना संभव नहीं होता।ऐस में अगर आप इस तरह के खिलाड़ियों को टीम में चाहते हैं।आपको उनके साथ अलग तरह से व्यवहार करना होगा और उन्हें अपना स्वाभाविक खेल खेलने की आजादी देनी होगी।''उन्होंने कहा, '''जब वे लय में होते हैं तो आपको अंतर साफ नजर आता है।उनके रहने से ही से ड्रेसिंग रूम का माहौल बदल जाता है।।''

एफआईएच जूनियर विश्व कप 2025 क्वालीफाइंग मुकाबला : भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने वेल्स को 3-1 से हराया

सैंटियागो (एजेंसी)। भारतीय महिला जूनियर हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वेल्स को 3-1 से हरा दिया। भारतीय टीम ने एफआईएच जूनियर विश्व कप 2025 के नौ से 16वें स्थान के लिए हुए इस क्वालीफाइंग मुकाबले में वेल्स को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया। भारतीय टीम की ओर से हिना बानो ने 14वें मिनट, सुनेलिता टोप्पो ने 24वें मिनट और इशिका ने 31वें मिनट में गोल किये। वहीं वेल्स की ओर से एकमात्र गोल एलोइस मोट ने 52वें मिनट में किया।

भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत में से ही आक्रमण करने शुरु कर दिये। पहले क्वार्टर के अंत में साक्षी राणा के शानदार पास पर हिना ने गोल करा भारतीय टीम को बढ़त दिला दी। वहीं दूसरे क्वार्टर में सुनेलिता टोप्पो ने एक गोल कर भारतीय टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया।

वहीं तीसरे हाफ में इशिका से गोल से भारतीय टीम की बढ़त 3-0 की हो गयी। भारतीय टीम अपने आक्राक रुख से वेल्स पर परे समय हावी रही। वेल्स की ओर से 52वें मिनट में एलोइस मोट ने गोल कर भारतीय टीम की बढ़त को कम जरुर किया पर इसके बाद उनकी ओर से कोई खिलाड़ी गोल नहीं कर पाया।

शाकिब ने संन्यास का फैसला वापस लिया, बांग्लादेश लौटकर खेलना चाहते हैं एक घरेलू सीरीज

सेन डियागो ।पिछले काफी समय से अमेरिका में रह रहे बांग्लादेश क्रिकेट टीम से पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन ने संन्यास से वापसी का फैसला किया है।शाकिब का कहना है कि वह एकसाथ ही तीनों प्रारुपों को अलविदा कहना चाहते हैं।उन्होंने इंग्लैंड के स्पिनर मोईन अली से बातचीत के दौरान कहा कि उन्होंने अभी तक तीनों प्रारुपों से आधिकारिक रुप से संन्यास नहीं लिया है।साथ ही कहा कि वह बांग्लादेश लौटकर एक पूरी घरेलू सीरीज खेलने के बाद ही तीनों प्रारुपों से एक साथ संन्यास लेंगे। शाकिब पिछले एक साल से ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर हैं। उन्होंने पिछले साल ही टेस्ट और टी20 से संन्यास ले लिया था।उन्होंने मोईन से बातचीत के दौरान कहा, मैं आधिकारिक रूप से अभी तीनों प्रारुपों से रिटायर नहीं हुआ हूं।ये पहला मौका है जब मैं इसका खुलासा कर रहा हूं। मेरी योजना है कि मैं बांग्लादेश जाकर, एक पूरी एकदिवसीय, टेस्ट और टी20 सीरीज खेलूं और फिर रिटायरमेंट लूं। शाकिब ने साथ ही कहा कि मैं तीनों प्रारुपों से एकसाथ संन्यास ले सकता हूं।मुझे बस एक पूरी सीरीज खेलनी है और फिर संन्यास लेना है।गौरतलब है कि शाकिब मई 2024 से ही बांग्लादेश वापस नहीं लौटे हैं।छात्र आंदोलन और अवामी लीग सरकार को सत्ता से हटाये जाने के हटने के बाद से ही वह देश से बाहर ही हैं।शाकिब अवामी लीग से सांसद भी बने थे।उनके नाम पर कई मामले भी बांग्लादेश में दर्ज हुए थे।इसके बाद उन्होंने पाकिस्तान और भारत में टेस्ट मैच भी खेले।भारत के खिलाफ कानपुर में उन्होंने दूसरा टेस्ट व अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था।वहीं जब उनसे पूछा गया कि क्या वे बांग्लादेश लौटेंगे, तो शाकिब ने कहा कि मुझे उम्मीद है।इसलिए मैं कई टी20 लीग खेल रहा हूं मुझे लगता है, ऐसा होगा। शाकिब ने ये भी कहा कि वह अपने देश में एक घरेलू सीरीज खेलकर सम्मानजनक विदाई चाहते हैं, ताकि अपने प्रशंसकों का आभार वयक्त कर सके।

भारतीय टीम बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार, अधिक बदलाव नहीं होंगे : सूर्यकुमार

कटक । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां होने वाले पहले टी 20 मैच में बेहतर प्रदर्शन के लिए उनकी टीम तैयार है।सूर्यकुमार ने बताया कि टीम का माहौल काफी अच्छा और इसमें अधिक बदलाव नहीं होंगे।सूर्या ने कहा कि मैच में ओस सहित कुछ चीजें हमारे नियंत्रण में नहीं होती और उसके लिए कुछ नहीं किया जा सकता है।सूर्यकुमार ने कहा कि इस समय सर्दियों का मौसम चल रहा है और रात के समय ओस का गिरना स्वाभाविक है।ऐसे मुकाबलों में ओस से भी प्रभाव पड़ता है। कप्तान ने कहा कि इसमें हमारा बस नहीं है।हमें खेलना ही है, ओस अगर होगी तो उसके हिसाब से ही प्रबंधन करेंगे क्योंकि हम मैदान छोड़कर भाग तो नहीं सकते। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को एकदिवसीय सीरीज में हराया है जिससे वह इस मैच में उत्साहित होकर उतरेगी। वहीं अपने दौरे के इस अंतिम चरण में मेहमान टीम जीत हासिल करना चाहेगी।

फरवरी में नीदरलैंड के खिलाफ डेविस कप की मेजबानी करेगा भारत

मुम्बई।भारत अगले साल की शुरुआत में नीदरलैंड के खिलाफ डेविस कप मैचों की मेजबानी करेगा।ये मैच सात–आठ फरवरी को बेंगलुरु में खेले जाएंगे।डेविस कप की मेजबानी में बेंगलुरु के अलावा दिल्ली भी शामिल थी पर अंत में बेंगलुरु को मेजबानी मिली।दिल्ली लॉन टेनिस संघ (डीएलटीए) ने इस साल फरवरी में टोगो की मेजबानी की थी और उसने भी इस अहम मुकाबले को आयोजित करने में रुचि दिखाई थी।बेंगलुरु ने पिछली बार 2017 में उज्बेकिस्तान के खिलाफ डेविस कप मुकाबले की मेजबानी की थी जिसमें मेजबान टीम 4–1 से जीत गई थी।वहीं कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस संघ (केएसएलटीए) ने बिली जीन किंग कप प्ले–ऑफ की मेजबानी की थी।तब भारत ने सितंबर में विश्व ग्रुप एक के पहले दौर में स्विट्जरलैंड को हराकर क्वालीफाइंग चरण में प्रवेश किया था जबकि नीदरलैंड को दूसरे दौर में अर्जेंटीना के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।यह 1993 के बाद यूरोपीय धरती पर भारत की पहली जीत थी।तब सुमित नागल और दक्षिणेश्वर सुरेश के नेतृत्व में भारत को जीत मिली थी।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल 2025: सिमरनप्रीत कौर ने गोल्ड मेडल जीता, मनु भाकर पदक से चूकी

दोहा [क़तर] (एजेंसी)। भारतीय शूटर सिमरनप्रीत कौर ने आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला 25 मीटर पिस्टल इवेंट में गोल्ड मेडल अपने नाम किया और जूनियर वर्ल्ड रिकॉर्ड के बराबरी की। वहीं, ओलिंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर इस बार पदक जीतने में सफल नहीं रही।

सिमरनप्रीत की ऐतिहासिक जीत

21 वर्षीय सिमरनप्रीत ने फाइनल में 41/50 का स्कोर बनाते हुए विश्व स्तर पर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उनका यह स्कोर दक्षिण कोरिया की पेरिस 2024 ओलिंपिक चैंपियन यांग जी-इन के जूनियर वर्ल्ड रिकॉर्ड के बराबर है। चीन की याओ चियान्शुन ने 36/50 के साथ सिल्वर मेडल और जर्मनी की डॉरेन वेनेकंप ने 30/45 के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। यह सिमरनप्रीत का ढ्ढस्स्स्न वर्ल्ड कप फाइनल में पहला पदक है, जिससे वह विश्व की शीर्ष युवा शूटिंग प्रतिभाओं में शामिल हो गई हैं।

मनु भाकर का निराशाजनक प्रदर्शन

वहीं, मनु भाकर इस बार निराशा में रही। उन्होंने महिला 25 मीटर पिस्टल क्वालिफिकेशन राउंड में नौवां स्थान प्राप्त किया और फाइनल में जगह नहीं बना पाईं। इससे पहले, उन्होंने महिला 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में पांचवां स्थान हासिल किया था, जिससे उनका दोहा अभियान बिना पदक के समाप्त हुआ।

पुरुषों में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर का सिल्वर

पुरुष 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन इवेंट में ओलिंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने चेक शूटर जीरी प्रिव्रात्सकी के 414.2 वर्ल्ड रिकॉर्ड स्कोर से केवल 0.9 अंकों से पिछड़कर यह पदक हासिल किया। चीन के पेरिस 2024 गोल्ड मेडलिस्ट लियू युकुन ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल की विशेषताएं

दोहा मीट ने 2025 आईएसएसएफ सीज़न का समापन किया। इस फाइनल में कुल 10 शूटरों ने भाग लिया, जिनमें क्वालिफिकेशन के आधार पर चयनित खिलाड़ी शामिल हैं। डिफेंडिंग चैंपियन अपने आप क्वालीफाई होते हैं, जबकि चार वर्ल्ड कप स्टेज के विजेताओं को सीधे जगह मिलती है। शेष पांच स्थानों में दो खिलाड़ी वर्ल्ड कप रैंकिंग और तीन आईएसएसएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप पदक विजेताओं के आधार पर चुने गए। इस फाइनल में केवल व्यक्तिगत 12 ओलिंपिक शूटिंग इवेंट (राइफल, पिस्टल और शॉटगन) आयोजित किए गए, टीम इवेंट शामिल नहीं थे।

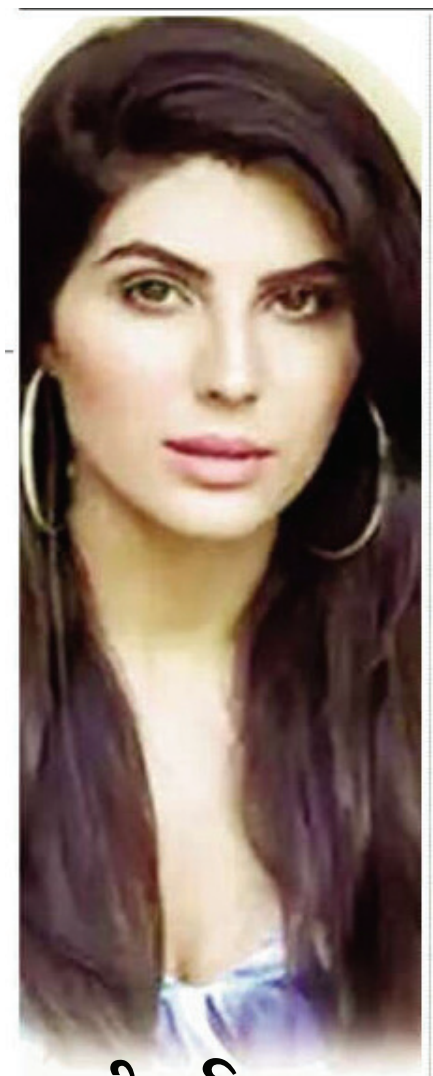

मस्ती 4 फिल्म का हिस्सा बनने से पहले काफी सोच-विचार किया था

आज के दौर में फिल्मों और वेब सीरीज में बोल्ड कंटेंट को लेकर दर्शकों की राय पहले से कहीं ज्यादा बंटी हुई है। छोटे से छोटे सीन या डायलॉग्स भी अक्सर बड़े विवाद का कारण बन जाते हैं। इसी माहौल में जब कोई कलाकार एडल्ट-कॉमेडी जैसी संवेदनशील शैली में कदम रखने का फैसला करता है, तो यह उनके लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जाता है। इसी तरह का अनुभव अभिनेत्री एलनाज नोरौजी ने भी किया। उन्होंने मस्ती 4 जैसी बोल्ड कॉमेडी फिल्म का हिस्सा बनने से पहले काफी सोच-विचार किया था। इंटरव्यू में एलनाज नोरौजी ने कहा, मस्ती 4 में काम करने को लेकर मैं शुरू में काफी झिझक रही थी। आज के समय में दर्शक जिस तरह से बोल्ड कॉमेडी पर प्रतिक्रिया देते हैं, उससे कलाकारों पर ज्यादा दबाव बन जाता है। मुझे डर था कि कहीं मेरी छवि पर इसका गलत असर न पड़े। लेकिन, जैसे-जैसे फिल्म की कहानी पढ़ी, मेरा नजरिया बदलता गया।

उन्होंने कहा, इस बार की कहानी सिर्फ पहले वाली फिल्मों की तरह चुटकुलों और मजाक तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें कुछ नया, अलग और ज्यादा मनोरंजक जोड़ने की कोशिश की गई है। इस खासियत के चलते मैंने इस प्रोजेक्ट से जुड़ने का फैसला लिया। उन्होंने कहा, इस फिल्म ने मुझे अपने अभिनय का एक अलग पहलू पर्दे पर दिखाने का मौका दिया। एक कलाकार के रूप में मैं हमेशा से चाहती हूं कि दर्शक मुझे केवल एक ही तरह के किरदारों में सीमित न देखें। इस फिल्म में बिंदिया का रोल मेरी एक्टिंग रेंज को सामने लाने का मौका था, और इसलिए मैंने इसे स्वीकार किया। मस्ती 4 एक एडल्ट-कॉमेडी फिल्म है, जिसे मिलाप मिलन जावेरी ने निर्देशित किया है। यह मशहूर मस्ती फिल्म सीरीज का चौथा भाग है। फिल्म में रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी पहले की तरह लीड रोल में नजर आ रहे हैं। मस्ती 4 सिनेमाघरों पर 21 नवंबर को रिलीज हो चुकी है।

क्या दीपिका पादुकोण के बाद प्रियंका चोपड़ा भी होंगी कल्कि 2898 एडी 2 से बाहर?

प्रियंका ने भी रखी शर्त

साल 2024 में दीपिका पादुकोण फिल्म कल्कि 2898 एडी में नजर आई थीं। इस फिल्म का सीक्वल बन रहा है। इसमें भी दीपिका नजर आने वाली थीं, मगर उन्होंने फिल्म छोड़ दी। दीपिका के फिल्म का हिस्सा न होने की बात का एलान मेकर्स ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करके किया था।

झमीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि दीपिका ने फीस में इजाफा किया था और साथ ही आठ घंटे शिफ्ट की डिमांड रखी थी, जिस पर मेकर्स के साथ सहमति नहीं बनी। बीते दिनों खबर आई कि दीपिका की जगह प्रियंका चोपड़ा फिल्म का हिस्सा बनेंगी। मगर, देसी गर्ल को साइन करना मेकर्स के लिए आसान नहीं है।

क्या दीपिका को रिप्लेस करेंगी प्रियंका चोपड़ा?

एक तरफ खबरें चल रही हैं कि कल्कि 2 में प्रियंका चोपड़ा ने दीपिका पादुकोण को रिप्लेस कर दिया है। वहीं, अब रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि प्रियंका चोपड़ा की एंट्री मुश्किल लग रही है। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट के लिए प्रियंका चोपड़ा से बातचीत चल रही है। हालांकि, मेकर्स को वैसी ही मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, जिनकी वजह से दीपिका पादुकोण ने फिल्म छोड़ी थी। खबर है कि एक्ट्रेस ने दीपिका जितनी ही फीस मांगी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रियंका चोपड़ा के अलावा इस फिल्म में दीपिका पादुकोण की जगह लेने के लिए और भी फीमेल स्टार्स रेस में हैं। इस रोल के लिए आलिया भट्ट और साई पल्लवी जैसी एक्ट्रेस के नाम पर भी विचार किया जा रहा है। रिपोर्ट्स की मानें तो मेकर्स ऐसी एक्ट्रेस को लेना चाहते हैं जो स्टार पावर के मामले में प्रभास के बराबर हो। मालूम हो कि फिल्म से दीपिका के बाहर होने की ऑफिशियल घोषणा कल्कि 2 के मेकर्स ने अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट से की थी। पोस्ट में लिखा था, यह ऑफिशियली घोषणा है कि दीपिका कल्कि 2898 एडी के आने वाले सीक्वल का हिस्सा नहीं होंगी। बहुत सोच-विचार के बाद हमने अलग होने का फैसला किया है। हम उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

प्रियंका ने रखी हैं ये डिमांड

इसके अलावा प्रियंका चोपड़ा ने काम के घंटों में फ्लेक्सिबिलिटी की डिमांड भी रखी है। एक सोर्स ने वेबसाइट को बताया, प्रियंका चोपड़ा ने अपने टाइम और शेड्यूल में फ्लेक्सिबिलिटी की डिमांड रखी है, ताकि वे अपनी बेटी मालती को वक्त दे सकें। हालांकि, यह कोई मुश्किल बात नहीं है, क्योंकि प्रियंका अपनी बेटी के साथ लोकेशन पर ट्रैवल करने के लिए तैयार हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि प्रियंका चोपड़ा के साथ मेकर्स की बातचीत बन पाती है या देसी गर्ल भी इस फिल्म को छोड़ देंगी।

राहु केतु को लेकर बेहद उत्साहित हैं पुलकित सम्राट

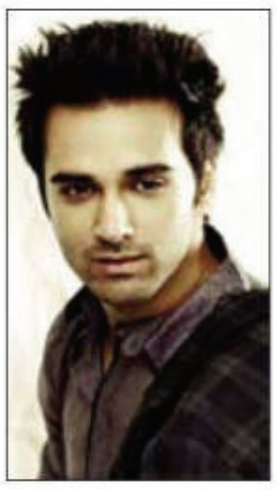

अगले वर्ष की शुरुआत में ही अपनी फिल्म राहु केतु से सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रहे पुलकित सम्राट फिलहाल अपनी पहली फ़ैंटेसी फ़िल्म प्रोजेक्ट को लेकर बेहद उत्साहित हैं। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि यह फिल्म सिर्फ उनके करियर की पहली फ़ैंटेसी फ़िल्म नहीं, बल्कि एक ऐसा मुक़ाम है, जिसका इंतज़ार उन्हें बचपन से था। अपनी कल्पनाशक्ति को आकार देने वाले बचपन की यादों को साझा करते हुए पुलकित ने कहा, राहु केतु को लेकर मैं बहुत एक्साइटेड हूँ, क्योंकि यह मेरी पहली फ़ैंटेसी फ़िल्म है। मैं सच में अजूबा, छोटा चेतन जैसी फ़िल्में देखकर बड़ा हुआ हूँ, और आज जब मैं खुद ऐसी फ़िल्म का हिस्सा बना हूँ तो मेरे लिए यह सबसे रोमांचकारी है। मुझे ऐसा लग रहा है, मेरा सफ़र पूरा घेरा बनाकर वापस उसी जादुई दुनिया में लौट आया है। गौरतलब है कि रोमांच, भव्यता और इमोशन से भरपूर पुलकित की आने वाली फ़िल्म राहु केतु भी कुछ उसी तरह की फ़ैंटेसी स्पेस को एक्सप्लोर करती है, जैसा हममें से कई लोगों ने अपने बचपन में देखी होगी। हालांकि फ़िल्म से जुड़ी अधिकतर जानकारी अभी गुप्त रखी गई है, लेकिन पुलकित का उत्साह इस बात का संकेत है कि दर्शकों को उनसे कुछ नया और ताज़ा देखने को मिलेगा, तो तैयार रहिए पुलकित के साथ अपने भी बचपन की कल्पनाओं को आधुनिक फ़िल्ममेकिंग के अंदाज़ में साकार होते हुए।

तलाक के सवाल पर दिव्या खोसला ने दिया जवाब

अभिनेत्री दिव्या खोसला ने हाल ही में सोशल मीडिया पर आस्क मी एनीथिंग सेशन शुरू किया। सेशन में उन्होंने कई यूजर्स के सवालों के जवाब दिए। उन्होंने लोगों को अपने एक्टिंग के सफर और बॉलीवुड में अपने अनुभव के बारे में बताया। उन्होंने वीडियो के जरिए यूजर्स के सवालों के जवाब भी दिए। उनके एक जवाब ने लोगों को हैरान कर दिया। एक यूजर ने दिव्या खोसला से पूछा बॉलीवुड में इतनी बेचैनी होने के बावजूद अपनी मेंटल हेल्थ का ख्याल कैसे रख पाती हैं? इसके जवाब में अभिनेत्री ने कहा मैं सोचती हूं कि बॉलीवुड ऐसी जगह है, जहां आपके आस-पास बहुत सारे मगरमच्छ हैं। ऐसे में मैं महसूस करती हूं कि इसके बीच से रास्ता निकालना होगा। मुझे लगता है कि सबसे जरूरी चीज है अपने आप से ईमानदार रहें। एक दूसरे यूजर ने अभिनेत्री से पूछा कौन सी फिल्म है जिसमें काम करते हुए आपको सबसे ज्यादा अच्छा लगा? इसके जवाब में अभिनेत्री ने कहा सवी। इसकी शूटिंग यूके में हुई। -10 डिग्री पर पूरे 42 दिन शूटिंग हुई। इसका प्रोडक्शन बहुत सही था। सवी का अनुभव एक तरफ बाकी मेरी सभी फिल्मों का अनुभव एक तरफ। एक और यूजर ने उनसे पूछा क्या आपका तलाक हो चुका है? इस पर दिव्या ने कहा नहीं। हालांकि लोग यही चाहते हैं। दिव्या खोसला ने साल 2005 में भूषण कुमार से शादी की थी। कुमार फिल्म और म्यूजिक प्रोड्यूसर हैं। हाल ही में दिव्या खोसला फिल्म एक चतुर नार में नजर आईं। इसमें नील नितिन मुकेश भी थे।

ऐतिहासिक किरदार निभाना चाहती हैं कृति खरबंदा

अपनी खूबसूरती और बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस कृति खरबंदा अब ऐसे किरदारों की तलाश में हैं, जो उन्हें एक नए, गहरे स्तर पर चुनौती दें। हाल ही में एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि वह आगे किस तरह के रोल या जॉनर एक्सप्लोर करना चाहेंगी, तो उनका जवाब महत्वाकांक्षी होने के साथ-साथ अतीत की मधुर स्मृतियों और परफॉर्मेंस के प्रति जुनून से भरा हुआ था। उन्होंने बताया कि भविष्य में वे ऐतिहासिक ऐपिक फिल्मों जैसे मुगल-ए-आज़म, बाजीराव मस्तानी और राम लीला जैसी कालजयी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहेंगी, जहाँ भव्यता के साथ-साथ इमोशन और दमदार किरदारों की दुनिया हो। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैं मुगल-ए-आज़म और बाजीराव मस्तानी जैसी किसी फिल्म में काम करना पसंद करूंगी। हाउसफुल 4 के जरिए मैंने उस दुनिया की थोड़ी झलक देखी थी, लेकिन अब मैं पूरी तरह से ऐसा किरदार निभाना चाहती हूँ, जो ऐतिहासिक हो। गौरतलब है कि कृति के लिए इन विशालकाय फिल्मों का सौंदर्य, उनकी भावनाएँ, शानदार कॉस्ट्यूम, और मजबूत महिला किरदार, सब मिलकर एक ऐसी दुनिया रचते हैं जिसमें वह बतौर एक्टर अपनी सीमाओं को और आगे बढ़ा सकें। वे कहती हैं, मेरे लिए ज़्यादा स्क्रीन प्रेज़ेंस से ज़्यादा ज़रूरी है, एक दमदार किरदार। हालांकि मैं अपने पर्सनल पैशन की बात करूं तो मैं मशहूर टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्ज़ा का किरदार निभाना चाहूंगी क्योंकि मैंने अपनी लाइफ का एक बड़ा हिस्सा टेनिस खेलते हुए बिताया है। इसके अलावा इस बायोपिक को करने की एक वजह यह भी है कि मैं सानिया मिर्ज़ा की प्रेरणादायक कहानी से काफी प्रभावित हूँ।

अब थोड़ा उदंड होना है, थोड़ा फिर से मस्ती में जीना है

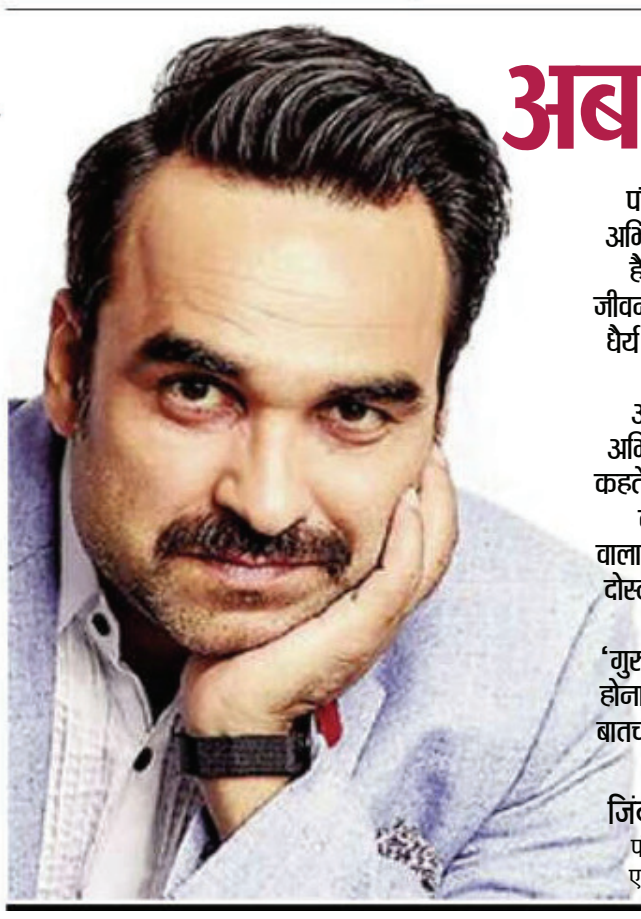

पंकज त्रिपाठी वो एक्टर हैं जिनकी आंखों में अभिनय से ज्यादा अनुभव घुला है। वह कहते हैं कि मैं अभिनय को ध्यान मानता हूं और जीवन को प्रयोग। उन्होंने संघर्ष के दिनों से जो धैर्य सीखा, वो आज भी उनके भीतर स्थिर है। सफलता उन्हें मोहित नहीं करती और असफलता विचलित नहीं करती। वह अपने अभिनय में संवाद से ज्यादा भाव पढ़ते हैं और कहते हैं कि कैमरा झूठ नहीं पकड़ता। अब जब वह बहुत कुछ पा चुके हैं तो 20 साल पहले वाला मस्ती भरा पंकज फिर पाना चाहते हैं, जो दोस्तों को डराने के लिए नींबू-सिंदूर रख आता था। अब उन्हें ना 'सेंस' चाहिए, ना 'गुरुज्ञान'। पंकज कहते हैं कि अब थोड़ा उदंड होना है, थोड़ा फिर से मस्ती में जीना है। खास बातचीत में उन्होंने वही सब बताया, जो इंटरव्यू की तयशुदा लकीरों से बाहर था।

जिंदगी जितनी गहरी, अभिनय उतना सच्चा

पंकज त्रिपाठी बोले, मैंने सात्विक अभिनय करना एनएसडी से सीखा। वहां अपने समकक्षों के साथ रहकर, उनकी ऐक्टिंग देखकर और उनकी थ्योरी समझकर इसे जाना। सात्विक अभिनय नाट्य शास्त्र का हिस्सा है, जिसमें अभिनय को चार वर्गों में बांटा गया है, आंगिक (शारीरिक), वाचिक (वाणी से), अहार्य (मेकअप-कॉस्ट्यूम) और सात्विक (आंतरिक भाव)।

सात्विक अभिनय वह है, जो दिखता नहीं, सिर्फ महसूस होता है और यही सबसे कठिन होता है। ऐसा कहा जाता है कि जैसे क्लासिकल सिंगर 35 की उम्र के बाद निखरता है, वैसे ही सात्विक अभिनय भी उम्र और अनुभव की साधना से आता है। ये केवल एक्टिंग नहीं बल्कि जीवन की समझ से जुड़ा होता है। ऐक्टर की सबसे बड़ी कला उसकी जिंदगी ही होती है। जिंदगी में हर तरह के रस श्रृंगार, हास्य, करुण खुद बनते हैं। ये जीवन में क्रिएट हो रहे हैं और अभिनय में इन्हें रीक्रिएट करना है। अगर रीक्रिएट करना है तो साधना चाहिए, जो निरंतर अभ्यास से आएगी।

धैर्य सबसे बड़ा सबक, बाकी सब बोनस

संघर्ष के दिनों से मुझे सबसे बड़ा सबक मिला धैर्य। यही आज भी मेरे भीतर बसा हुआ है। इससे बड़ा कुछ नहीं। अगर आप अपने रास्ते पर ईमानदारी और जागरूकता के साथ चलते रहो, बिना ज्यादा मांगे या लालसा के तो बहुत कुछ अपने-आप मिलने लगता है, इतना कि जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होती है। मैंने यही अनुभव किया। मैं सच्चा था अपनी मेहनत और नीयत के प्रति। कभी किसी का बुरा नहीं चाहा और ना किसी की चमचागिरी की। सच कहूं तो मैंने ऊपरवाले से भी कुछ खास मांगा नहीं था। मैं सिर्फ यही सोचकर आया था कि अच्छा काम करना है। हां, कुछ छोटी भौतिक इच्छाएं थीं जैसे एक छोटा घर हो जाए, एक गाड़ी हो जाए। हालांकि, आज जो कुछ भी हो रहा, वो सब बोनस की तरह है। मेहनत और धैर्य अगर साथ हैं तो जीवन बहुत कुछ दे देता है।

एक ही जीवन है तो प्रयोग भी जरूरी हैं

कभी-कभी सोचता हूं कि क्या ये विनम्रता, यह जीवन-दर्शन मेरे संस्कारों का बोझ तो नहीं बन गए? या क्या ये मेरी खुद की समझ है? जीवन एक ही है तो प्रयोग करना भी जरूरी है। अगर एक अनुभव देख लिया है तो अब थोड़ा उदंड अनुभव भी कर लिया जाए। यहां उदंडता का मतलब है, हर किसी की वेदना खुद में समा लेना। मेरे साथ यही होता है कि मैं स्पंज की तरह औरों का दुख सोख लेता हूं और वही मुझे सबसे ज्यादा तोड़ता है। कल किसी ने मुझसे राजनीति में आने की बात की। मैंने कहा कि मेरी इसमें कोई खास रुचि नहीं है और मैं नहीं जानता कि कल क्या होगा। वो एक आईएएस अधिकारी थे। बोले, 'तुम जैसे लोगों को भगवान ने कुछ सोचकर ही बनाया होगा।' मैं रात को इसी सोच में पड़ गया, वो ऐसा क्यों बोले होंगे?

अब फिर से मस्तीखोर पंकज बनना चाहता हूं

अब मैं चाहता हूं कि फिर से वही पंकज बन जाऊं जो 20 साल पहले था। तब मैं उदंड तो नहीं था लेकिन मस्तीखोर जरूर था। पढ़ाई के दिनों की बात है, एक दोस्त काले जादू से डरता था तो मैं हर दूसरे दिन उसके कमरे के बाहर नींबू, सुई, सिंदूर रख आता था और फिर उसका डर देखता था। वो ड्रामा बड़ा मजेदार होता था। अब सोचता हूं, वो पंकज कहां चला गया? हर जगह कुछ ना कुछ खुराफात करता रहता था। अब मन करता है कि वो पुराना वाला पंकज फिर से लौट आए।

संक्षिप्त समाचार

बल प्रयोग कर सकते हैं ट्रंप, कथित ड्रग तस्करी से जुड़ी नावों पर हमलों को लेकर बोले रक्षा मंत्री हेगसेथ

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कथित ड्रग कार्टेल से जुड़ी नावों पर सैन्य हमलों का बचाव किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास देश की सुरक्षा के लिए जैसा वह उचित समझें कार्रवाई करने का अधिकार है। हेगसेथ ने कहा कि ट्रंप अपनी इच्छानुसार बल का इस्तेमाल कर सकते हैं। रोनाल्ड रीगन प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी में बोलते हुए हेगसेथ ने हमलों की आलोचनाओं को खारिज कर दिया। गौरतलब है कि इन सैन्य हमलों में 80 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। इन हमलों पर अंतरराष्ट्रीय कानून के संभावित उल्लंघन को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। पीट हेगसेथ ने तर्क दिया कि अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा के लिए ये ऑपरेशन वाजिब था। उन्होंने इसकी तुलना 11 सितंबर 2001 के हमलों के बाद लिए गए फैसलों से की। हेगसेथ ने कहा कि अगर आप किसी घोषित आतंकी संगठन के लिए काम कर रहे हैं और देश में नाव के जरिये ड्रग्स लाते हैं तो हम आपको ढूंढ लेंगे और डुबो देंगे। इसमें कोई शक नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप देश के हितों की रक्षा के लिए जैसा सही समझेंगे, वैसी निर्णायक सैन्य कार्रवाई कर सकते हैं और करेंगे। उन्होंने कहा कि दुनिया के किसी भी देश को इस पर शक नहीं होना चाहिए। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने संदिग्ध ड्रग तस्करों की तुलना आतंकवादी संगठन अल-कायदा से की। उनकी यह टिप्पणी ट्रंप प्रशासन की ओर से राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति जारी करने के तुरंत बाद आई है, जिसमें यूरोपीय साझेदारों को कमजोर बताया गया है। इस रणनीति का मकसद अमेरिकी ताकत को पश्चिमी गोलार्ध में फिर से स्थापित करना है।

कंप के तेज झटकों से कांपी धरती, रिक्टर स्केल पर 7.0 रही तीव्रता...दहशत में लोग

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के अलास्का राज्य और कनाडा के युकोन इलाके की सीमा पर शनिवार को एक ताकतवर 7.0 की तीव्रता वाला भूकंप आया। यह इलाका पहाड़ी है और यहां आबादी बहुत कम रहती है, इसलिए नुकसान की जानकारी अभी सीमित है। इस भूकंप के कुछ ही मिनट बाद 5.6 और 5.3 तीव्रता के दो और आफ्टरशॉक दर्ज किए गए। लगातार आने वाले झटकों से इलाके में दहशत का माहौल है। यह इलाका जंगलों, पहाड़ों और बर्फीले मैदानों से घिरा है, इसलिए यहां पहुंचना मुश्किल होता है। फिर भी अधिकारी स्थिति का आकलन कर रहे हैं। अमेरिकी सुनामी वार्निंग सिस्टम ने साफ किया है कि इस भूकंप से सुनामी का कोई खतरा नहीं है, क्योंकि झटके समुद्र के बहुत अंदर नहीं आए। फिलहाल किसी बड़े नुकसान या जान-माल की हानि की खबर नहीं है, लेकिन आफ्टरशॉक जारी रहने की वजह से लोग सावधानी बरत रहे हैं और स्थानीय एजेंसियां हालात पर नजर बनाए हुए हैं।

ड्रोन हमला : 33 बच्चों समेत 50 लोगों की मौत, बढ़ सकता है मरने वालों का आंकड़ा

खार्तूम, एजेंसी। दक्षिण-मध्य सूडान में बच्चों के एक स्कूल पर एक अर्धसैनिक समूह द्वारा किये गये ड्रोन हमले में 33 बच्चों सहित 50 लोगों की मौत हो गई। चिकित्सकों के एक समूह ने यह जानकारी दी। सूडान डॉक्टर्स नेटवर्क ने शुक्रवार देर रात एक बयान में कहा कि दक्षिण कोर्डोफन प्रांत के कलोगी शहर में पैरामेडिक्स को 卐दूसरे अप्रत्याशित हमले卐 में निशाना बनाया गया। सूडान में नागरिकों के विरुद्ध हिंसा पर नजर रखने वाले एक अधिकार समूह, इमरजेंसी लॉयर्स ने शनिवार को एक बयान में बताया कि कलोगी में बचे लोगों का इलाज कर रहे पैरामेडिक्स पर दूसरा हमला हुआ है, तथा कहा कि 卐पिछले दो के निकट एक तीसरे नागरिक स्थल卐 पर भी हमला किया गया। समूह ने हमले की निंदा की तथा हमलों के लिए अर्धसैनिक समूह, रैपिड सपोर्ट फोर्सेस या आरएसएफ को दोषी ठहराया तथा इसे अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का घोर उल्लंघन बताया। मृतकों की संख्या अधिक होने की आशंका है, लेकिन इलाके में संचार व्यवस्था ठप होने के कारण हताहतों की सूचना देना मुश्किल हो गया है। बृहस्पतिवार को किया गया हमला अर्धसैनिक समूह 'रैपिड सपोर्ट फोर्सेस (आरएसएफ) और सूडानी सेना के बीच जारी जंग में नया घटनाक्रम है। दोनों समूह दो साल से भी ज्यादा समय से युद्धरत हैं। अब युद्ध तेल-समृद्ध कोर्डोफन राज्य में केंद्रित है। सूडान में यूनिसेफ प्रतिनिधि शेल्डन येट ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, स्कूल में बच्चों की हत्या बच्चों के अधिकारों का घोर उल्लंघन है। ऐसा नहीं होना चाहिए कि संघर्ष की कीमत बच्चों को चुकानी पड़े। उन्होंने कहा कि यूनिसेफ सभी पक्षों से ''इन हमलों को तुरंत रोकने और जरूरतमंद लोगों तक मानवीय सहायता की सुरक्षित व निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करने का आग्रह करता है।

संपत्तियां फ्रीज, कंपनियों पर भी प्रतिबंध; खालिस्तानी आतंकियों के खिलाफ ब्रिटेन की बहुत बड़ी कार्रवाई

लंदन, एजेंसी। भारत के दबाव के बीच ब्रिटेन ने खालिस्तानी आतंकवादी समूहों के खिलाफ बड़ा ऐतिहासिक कदम उठाया है। ब्रिटिश सरकार ने 4 दिसंबर को गुरप्रीत सिंह रेहल नामक एक व्यक्ति और बब्बर अकाली लहर संगठन पर आतंकवाद से जुड़े आरोपों के तहत प्रतिबंध लगा दिए हैं। यह कार्रवाई खासतौर पर बब्बर खालसा इंटरनेशनल नामक प्रतिबंधित खालिस्तानी आतंकवादी संगठन से इनकी सांठगांठ के लिए की गई है। इस कदम से ब्रिटेन की वित्तीय प्रणाली का दुरुपयोग करने वाले चरमपंथियों को झटका लगेगा और भारत-ब्रिटेन के बीच आतंकवाद विरोधी सहयोग को नई मजबूती मिलेगी। ब्रिटेन सरकार ने काउंटर-टेररिज्म (सैंक्शंस) (ईयू एग्जिट) रेगुलेशंस 2019 के तहत इन प्रतिबंधों को लागू किया है। मुख्य कार्रवाइयों में शामिल हैं- संपत्ति फ्रीजः रेहल, बब्बर अकाली लहर और इनसे जुड़ी कंपनियों की ब्रिटेन में स्थित सभी संपत्तियों, फंड्स और आर्थिक संसाधनों को तत्काल प्रभाव से फ्रीज कर दिया गया है। ब्रिटिश नागरिकों या संस्थाओं को इन संसाधनों से कोई सौदा करने, या इन्हें कुछ भी उपलब्ध कराने की अनुमति नहीं है, जब तक कि एचएम ट्रेजरी से लाइसेंस न मिले।

कंपनियों पर असरः रेहल से जुड़े संगठन सेविंग पंजाब सीआईसी, वाइटहॉक कंसल्टेशंस लिमिटेड और अनइनकॉर्पोरेटेड संगठन लोहा डिजाइन्स पर भी प्रतिबंध लगे हैं। गुरप्रीत सिंह रेहल को किसी कंपनी का निदेशक बनने या उसके प्रबंधन में प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से भाग लेने से रोक दिया गया है। प्रतिबंधों का उल्लंघन करने पर सात साल तक की कैद या 10 लाख पाउंड तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। ब्रिटेन के वित्त मंत्रालय के मूल्यांकन के अनुसार, यह पहली बार है जब घरेलू काउंटर-टेररिज्म रिजीम का इस्तेमाल खालिस्तानी मिलिटेंट ग्रुप्स के फंडिंग को बाधित करने के लिए किया गया है।

खालिस्तानी आतंक से जुड़े आरोपः भर्ती, फंडिंग और हथियार खरीद : गुरप्रीत सिंह रेहल पर भारत में आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्त संगठनों से जुड़ने का आरोप है। ब्रिटिश सरकार का मानना है कि वह बब्बर खालसा और बब्बर अकाली लहर की गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। इन आतंकी संगठनों की गतिविधियों में समूहों का प्रचार-प्रसार और प्रोत्साहन, भर्ती अभियान चलाना, वित्तीय सेवाएं प्रदान करना, हथियारों और अन्य सैन्य सामग्री की खरीद में सहायता और ऐसे ही संगठनों को समर्थन और सहयोग देना शामिल है। बब्बर अकाली लहर को बब्बर खालसा का सहयोगी संगठन माना जाता है, जो इसकी भर्ती, प्रचार और आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देता है। बब्बर खालसा इंटरनेशनल एक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन है, जो खालिस्तान आंदोलन के नाम पर हिंसा और घृणा फैलाने के लिए फेमस है। ब्रिटेन सरकार की ये कार्रवाइयां भारत में हो रही आतंकवादी गतिविधियों को समर्थन देने वाले नेटवर्क को निशाना बनाती है।

ब्रिटिश अधिकारियों के बयानः आतंकवाद के फंडिंग को कुचलेंगे : आर्थिक सचिव लूसी रिग्बी केसी एमपी ने इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि जब आतंकवादी ब्रिटेन की वित्तीय प्रणाली का शोषण करेंगे तो हम चुपचाप नहीं देखेंगे। यह ऐतिहासिक कदम दर्शाता है कि हम हर उपलब्ध टूल का इस्तेमाल करके आतंकवाद की फंडिंग को रोकने के लिए तैयार हैं- चाहे वह कहीं भी हो। ब्रिटेन उन शांतिपूर्ण समुदायों के साथ दृढ़ता से खड़ा है, जो हिंसा और घृणा को बढ़ावा देने वालों के खिलाफ हैं।

भारत-ब्रिटेन सहयोग को मिली मजबूतीः वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त मोर्चा : यह कदम भारत और ब्रिटेन के बीच बढ़ते आतंकवाद विरोधी सहयोग का प्रतीक है। ब्रिटेन ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह विदेशी मिट्टी पर आतंकवाद को समर्थन देने वाले नेटवर्क को बर्दाश्त नहीं करेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे खालिस्तानी चरमपंथियों के वैश्विक फंडिंग चैनलों पर असर पड़ेगा। इससे भारत की सुरक्षा चिंताएं भी जुड़ी हुई हैं।

बब्बर खालसा का इतिहास और खतरा : बब्बर खालसा 1980 के दशक में खालिस्तान आंदोलन के दौरान उभरा। यह भारत में कई आतंकी हमलों के लिए जिम्मेदार रहा है। यह संगठन हथियार तस्करी, विस्फोटक हमले और राजनीतिक हत्याओं में लिप्त रहा है। ब्रिटेन में इसके समर्थक लंदन और अन्य शहरों में सक्रिय हैं, जहां वे फंडिंग और प्रचार के जरिए गतिविधियां चलाते हैं। हाल के वर्षों में, भारत ने ब्रिटेन से ऐसे नेटवर्क्स पर कार्रवाई की मांग की थी, और यह संयुक्त घोषणा उसी दिशा में एक बड़ा कदम है। यह कार्रवाई ब्रिटेन की व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जो वैश्विक आतंकवाद को फंडिंग रोकने पर केंद्रित है। आने वाले दिनों में और प्रतिबंधों की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, खासकर जब अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ रहा है।

न्यू साउथ वेल्स के जंगल में आग लगने से 12 घर जलकर खाक

सिडनी, एजेंसी। आस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स में जंगलों में आग लगने से कई घर जलकर खाक हो गये हैं। आस्ट्रेलिया की न्यू साउथ वेल्स रूरल फायर सर्विस ने पुष्टि की है कि आग से कई घर जलकर खाक हो गए हैं। ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (एबीसी) ने शनिवार दोपहर यह जानकारी दी। एबीसी ने बताया कि घरों में आग लगने की घटना तब सामने आई जब नेटवर्क के न्यूज़ हेलीकॉप्टर से चलाए गए लाइव वीडियो में निंबिन रोड, कोलूवोंग के पास कम से कम 12 घर आग लगने से पूरी तरह खाक हो गये थे। न्यू साउथ वेल्स रूरल फायर सर्विस ने आज दोपहर निंबिन रोड के लिए एक आपातकालीन चेतावनी जारी की। जंगल में लगी आग दक्षिण दिशा के ग्लेनरॉक परेड से लारा स्ट्रीट की ओर बढ़ रही है। अधिकारियों ने आग में फंसे लोगों से कहा, अगर आप निंबिन रोड, ग्लेनरॉक परेड, लारा स्ट्रीट और निमाला एवेन्यू के क्षेत्र में हैं, तो आपके लिए खतरा हैं। यदि रास्ता साफ मिलता है तो अभी वॉय वॉय की ओर सुरक्षित बाहर निकल सकते हैं। कोलूवोंग न्यू साउथ वेल्स के सेंट्रल कोस्ट का एक उपनगर है, जो सिडनी सीबीडी से लगभग एक घंटे की दूरी पर स्थित है। एबीसी ने यह भी रिपोर्ट दी है कि कोलूवोंग में पटरियों के पास आग लगने के कारण सेंट्रल कोस्ट और न्युकैसल रेलवे लाइन पर ट्रेनों को आवागमन नहीं हो रहा है। एनएसडब्ल्यू आरएफएस ने बाद में बैरामी, बैरामी क्रीक, विडन, यारावा और केराबी क्षेत्रों के लिए एक और आपातकालीन चेतावनी जारी की, क्योंकि वहां जंगल के एक बड़े क्षेत्र में जबरदस्त आग लगी है। ये क्षेत्र एनएसडब्ल्यू के ऊपर क्षेत्र में हैं और सिडनी सीबीडी से 200 किलोमीटर से अधिक उत्तर-पश्चिम में स्थित हैं। अधिकारियों ने इन क्षेत्रों के लोगों को सूचित किया कि उनकी जान खतरे में हैं और अब इलाके से बाहर निकलने में बहुत देर हो चुकी है। उन्होंने लोगों से एक मजबूत संरचना के अंदर शरण लेने का आग्रह किया है।

चीनी सैन्य विमान ने जापानी विमानों पर दो बार लॉक किया रडार, जापान ने दर्ज कराया कड़ा विरोध; तनाव बढ़ा

टोक्यो , एजेंसी। चीन के एक सैन्य विमान ने शनिवार (स्थानीय समयानुसार) को ओकिनावा के पास जापानी लड़ाकू विमानों पर अपना रडार लॉक किया। जापान ने आज इस घटना को लेकर चीन के सामने विरोध दर्ज कराया है। चीनी सैन्य विमान ने विमानवाहक पोत लियानओनिंग से उड़ान भरी थी। यह घटना ऐसे समय हुई है, जब हाल ही में जापानी प्रधानमंत्री के ताइवान पर दिए बयान के बाद दोनों देशों के संबंध खराब हो गए हैं। जापान के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, लियाओनिंग से उड़ान भरने वाले जे-15 लड़ाकू विमान ने शनिवार को दो बार जापान के एफ-15 विमानों पर अपना रडार लॉक किया। पहली बार देर दोपहर करीब तीन मिनट के लिए और दूसरी बार शाम में लगभग 30 मिनट तक रडार लॉक किया गया। हालांकि जापान के हवाई क्षेत्र का कोई उल्लंघन नहीं हुआ और न ही किसी तरह का नुकसान हुआ। रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने इसे बेहद खतरनाक हरकत बताया। उन्होंने कहा कि चीन का यह कदम सुरक्षित सैन्य उड़ान संचालन की सीमा से बाहर है। उन्होंने कहा कि जापान ने चीन के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की है। घटना के बाद दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ सकता है। चीन पहले ही जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची के उस बयान पर नाराजगी जता चुका है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर चीन ताइवान पर कोई कार्रवाई करता है तो जापान भी इसमें शामिल हो सकता है। घटना के दौरान लियाओनिंग ओकिनावा और मियाको द्वीपों के बीच से गुजर रहा था और वह प्रशांत महासागर में विमान संचालन का अभ्यास कर रहा था। जापानी एफ-15 विमान सतर्कता के तौर पर हवा में भेजे गए थे और वे सुरक्षित दूरी पर रहते हुए चीनी विमानों पर नजर रख रहे थे। रक्षा विशेषज्ञों ने बताया कि लड़ाकू विमान रडार का इस्तेमाल सामान्य खोज के लिए भी करते हैं और मिसाइल दागने से पहले फायर कंट्रोल के रूप में भी। माना जा रहा है कि जापान और चीन के बीच रडार लॉक की यह पहली घटना है। इससे पहले साल 2013 में एक चीनी युद्धपोत ने जापानी डेस्ट्रॉयर पर रडार लॉक किया था।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया की हालत नाजुक, लंदन रवाना होने की तैयारी फिर टली

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और तीन बार देश का नेतृत्व कर चुकीं खालिदा जिया की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। लंदन ले जाने की तैयारी कई दिनों से चल रही थी, लेकिन डॉक्टरों ने एक बार फिर उनकी यात्रा टाल दी है। शनिवार को मेडिकल बोर्ड ने साफ कहा कि इस समय खालिदा जिया का विदेश जाना सुरक्षित नहीं है। इसी वजह से लंदन रवाना करने की योजना अनिश्चित काल के लिए टाल दी गई। डॉक्टरों के मुताबिक, खालिदा जिया को फिलहाल ढाका के एवरकेयर अस्पताल के CCU में रखा गया है। 80 साल की जिया को पिछले महीने सीने में गंभीर संक्रमण होने के बाद भर्ती कराया गया था। उनकी हालत लगातार उठ-बैठ रही है, इसलिए मेडिकल बोर्ड ने यात्रा को 'जोखिम भरा' बताया। डॉक्टरों का कहना है कि एयर एम्बुलेंस तैयार है, लेकिन मरीज की स्थिति यात्रा योग्य होने पर ही उड़ान होगी। पहले तय था कि जिया शुक्रवार को लंदन रवाना होंगी, लेकिन कतर की ओर से भेजी जा रही एयर एम्बुलेंस तकनीकी खराबी के कारण ढाका नहीं पहुंच सकी। बाद में मीडिया रिपोर्ट में दावा हुआ कि कतर ने जर्मनी से दूसरा विमान मंगवाया, लेकिन डॉक्टरों ने कहा कि मरीज की हालत अब यात्रा की अनुमति नहीं देती। BNP नेता डॉक्टर जाहिद हुसैन ने बताया कि जिया की विदेश यात्रा उनकी सेहत सुधरते ही कराई जाएगी।

बेटे तारीक की पत्नी ढाका पहुंचीं : खालिदा जिया के बेटे और BNP के कार्यवाहक प्रमुख तारीक रहमान लंदन में रहते हैं और कई कानूनी कारणों से बांग्लादेश नहीं लौट पा रहे। हालांकि उनकी पत्नी जुबैदा रहमान शुक्रवार को ढाका पहुंच गईं ताकि जिया को लंदन ले जाने की प्रक्रिया में सहयोग कर सकें। तारीक रहमान ने सोशल मीडिया पर लिखा कि वे मां के पास आना चाहते हैं, लेकिन यह निर्णय सिर्फ उनके हाथों में नहीं है।

हेलीकॉप्टर लैंडिंग की भी तैयारी : जिया की हालत बिगड़ने के बाद सेना और वायुसेना ने एवरकेयर अस्पताल की छत पर हेलीकॉप्टर लैंडिंग ट्रायल भी किया था। योजना यह थी कि जरूरत पड़ने पर सीधे अस्पताल से उन्हें एयरपोर्ट ले जाया जाएगा। इससे साफ होता है कि सरकार और चिकित्सा बोर्ड पूरी प्रक्रिया को बेहद गंभीरता से संभाल रहे हैं। क्ष्क्क नेता देशभर में मस्जिदों और मंदिरों में जिया के स्वास्थ्य लाभ के लिए दुआ और प्रार्थना कर रहे हैं। बांग्लादेश की बदलती राजनीतिक स्थिति के बीच क्ष्क्कपहले ही मुख्य राजनीतिक शक्ति के रूप में उभर चुकी है। अब खालिदा जिया की खराब सेहत ने पार्टी के भविष्य को और संवेदनशील बना दिया है।

ताइवान के करीब चीन ने बढ़ाई सैन्य गतिविधियां, गश्त करते दिखे दो विमान और सात नौसैनिक जहाज

ताइपे , एजेंसी। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने रविवार को बताया कि उसके क्षेत्र के आस-पास चीनी सेना (पीएलए) के दो विमान उड़ान भरते हुए और सात नौसैनिक (पीएलएएन) जहाज गतिविधि करते हुए दिखाई दिए। इसी समय एक चीनी गुब्बारा भी देखा गया। मंत्रालय ने एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा, आज सुबह छह बजे (स्थानीय समयानुसार) तक ताइवान के आसपास पीएलए के दो विमानों और पीएलएएन के सात जहाजों की गतिविधि दर्ज की गई। इसी समय एक चीनी गुब्बारा भी पाया गया। ताइवान के रक्ष बलों ने स्थिति की निगरानी और प्रतिक्रिया दी। शनिवार को ताइवान के आसपास चीनी सैन्य गतिविधियां बढ़ गईं। उस दिन चीन के 29 लड़ाकू विमानों ने उड़ान भरी और छह नौसैनिक जहाजों की गतिविधि देखी गई। इस बीच, जो बाइडन प्रशासन के पूर्व रक्षा अधिकारी एलि रैटनर ने जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची के बयान को समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि ताइवान की रक्षा में जापान के शामिल होने की संभावना पर चीन की प्रतिक्रिया अनुचित है। ताइपे टाइम्स के मुताबिक, एलि रैटनर 2021 से इस वर्ष तक हिंद-प्रशांत सुरक्षा मामलों के लिए सहायक रक्षा सचिव थे। उन्होंने कहा कि ताइवान पर टिप्पणी कर ताकाइची ने केवल जापान की आधिकारिक नीति दोहराई है। सात नवंबर को जापानी प्रधानमंत्री ने संसद में कहा था कि अगर चीन ताइवान पर हमला करता है, तो इसे जापान के अस्तित्व के लिए खतरा माना जा सकता है और जापान को कदम उठाना पड़ सकता है। ताकाइची दशकों में पहली जापानी नेता हैं, जिन्होंने खुलकर कहा कि ताइवान जलडमरूमध्य में संकट के समय जापान की सेना शामिल हो सकती है। उनके बयान से चीन नाराज हुआ और उसने जापान की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने के लिए कई कदम उठाए, जिनमें जापान की यात्रा और शिक्षा पर चेतावनी और जापानी समुद्री भोजन के आयात को रोकना शामिल है।

संदिग्ध गुब्बारों से हड़कंप, लिथुआनिया का विलनियस एयरपोर्ट बंद

लिथुआनिया , एजेंसी। लिथुआनिया के विलनियस एयरपोर्ट ने शनिवार को अपने सभी ऑपरेशंस रोक दिए। वजह थी एयरपोर्ट के ऊपर अचानक कुछ गुब्बारे दिखाई देना। देश की नेशनल क्राइसिस मैनेजमेंट सेंटर ने बताया कि एयर ट्रैफिक 1905 तक्ष्ज्ञ तक बंद रहेगा। यह पहली बार नहीं है जब ऐसा हुआ हो। विलनियस एयरपोर्ट, जो बेलारूस की सीमा से सिर्फ 30 किलोमीटर दूर है, अक्टूबर की शुरुआत से अब तक 10 से ज्यादा बार इसी वजह से बंद किया जा चुका है। आखिरी बार एयरपोर्ट 3 दिसंबर को बंद किया गया था।

गुब्बारे कौन भेज रहा है : लिथुआनिया का कहना है कि ये गुब्बारे बेलारूस से तस्करों द्वारा भेजे जा रहे हैं, जो इनके जरिये सिगरेट की तस्करी करते हैं। लेकिन बात सिर्फ तस्करी तक सीमित नहीं है, लिथुआनिया बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्ज़ेंडर लुकाशेंको पर भी उंगली उठा रहा है। लिथुआनिया का आरोप है कि बेलारूस की सरकार इन्हें रोक नहीं रही बल्कि यह एक तरह का ÷हाइब्रिड अटैक÷ है, जिससे लिथुआनिया के हवाई यातायात को बाधित किया जा रहा है। लुकाशेंको रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के करीबी हैं, इसलिए ये घटनाएं राजनीतिक तौर पर भी संदेह पैदा करती हैं

हाइब्रिड अटैक क्या होता है : जब किसी देश को सीधे हमला किए बिना असामान्य तरीकों से तनाव पैदा किया जाए। आर्थिक या सुरक्षा व्यवस्था को बाधित किया जाए तो इसे हाइब्रिड अटैक कहा जाता है। लिथुआनिया का कहना है कि गुब्बारों को लगातार भेजकर एयरपोर्ट को बंद करने की नौबत खड़ी की जा रही है, जिससे देश की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर असर पड़ रहा है।

एयरपोर्ट बंद होने का असर : बार-बार एयरपोर्ट बंद होने से फ्लाइटें देरी से उड़ रही हैं या कैंसल हो रही हैं। यात्रियों को असुविधा हो रही है। एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था पर दबाव बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चिंता बढ़ रही है कि यह सिलसिला कहां तक जाएगा। सरकारी एजेंसियां अब लगातार एयरस्पेस की निगरानी कर रही हैं, ताकि गुब्बारों के कारण फिर से एयरपोर्ट को बंद न करना पड़े।

पुतिन की भारत यात्रा ट्रंप की नाकामी, पेंटागन के पूर्व अधिकारी का बड़ा बयान; अमेरिकी नीति को बताया पाखंड

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन के पूर्व अधिकारी माइकल रूबिन ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे को बहुसंख्य अमेरिकी नागरिक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोर नाकामी के रूप में देख रहे हैं। अमेरिकी नागरिक ट्रंप को पसंद नहीं करते। रूबिन ने दावा किया कि हालिया सर्वे में पाया गया है कि अमेरिका के 65 प्रतिशत लोग ट्रंप को नापसंद करते हैं। अमेरिकी पूर्व अधिकारी ने कहा कि रूस से रियायती तेल खरीदने पर भारत को लेक्चर देकर अमेरिका पाखंड कर रहा है क्योंकि वॉशिंगटन खुद मॉस्को के साथ व्यापार में शामिल है। उन्होंने नई दिल्ली की अपनी जरूरतों को प्राथमिकता देने की स्थिति को सही ठहराया। पेंटागन के पूर्व अधिकारी ने अमेरिका की कड़ी आलोचना तब की जब उनसे नई दिल्ली दौरे के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की उस टिप्पणी के बारे में पूछा गया कि मॉस्को बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए ईंधन की बिना रुकावट आपूर्ति जारी रखने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है और उसकी अपनी ऊर्जा जरूरतें हैं। उन्होंने अगस्त में भारतीय आयात पर अमेरिका की तरफ से 50त्न टैरिफ लगाने की आलोचना की। वाशिंगटन का दावा है कि यह तेल यूक्रेन में मॉस्को के युद्ध प्रयासों को बढ़ावा देता है।

रूसी तेल खरीद पर अमेरिका कर रहा पाखंड : रूबिन ने खास बातचीत में कहा, जो बात अमेरिकियों को समझ नहीं आती, वह यह है कि भारतीयों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना है। अमेरिका पाखंड कर रहा है क्योंकि हम रूस से खरीदते हैं। हम ऐसे सामान और मटीरियल खरीदते हैं जिनके लिए हमारे पास कोई दूसरा बाजार नहीं है। उन्होंने कहा, अगर हम नहीं चाहते कि भारत रूसी तेल खरीदे तो हमें भारत को सस्ती कीमत पर और जितनी मात्रा में उसे जरूरत है उतनी मात्रा में ईंधन देने के लिए हम क्या करने वाले हैं।

पाकिस्तान को गले लगाने पर भी सवाल : पूर्व पेंटागन अधिकारी ने पाकिस्तान को गले लगाने के लिए अमेरिका के पास कोई रणनीतिक तर्क नहीं होने का दावा करते हुए कहा कि इस्लामाबाद को आतंकवाद का स्टेट स्पॉन्सर घोषित किया जाना चाहिए। उन्होंने जून में पाकिस्तान के आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के व्हाइट हाउस दौरे पर भी आपत्ति जताई और कहा कि मुनीर को अमेरिका में गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com